श्रावण कृष्ण - 3 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 344 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 13-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सीतारमण ने विकास के साथ पारिस्थितिकी के संरक्षण को संतुलित करने की आवश्यकता बताई

6 राइफलमैन आलोक राव: कर्तव्य पथ पर बलिदान देकर बचाए अपने साथियों के प्राण

7 श्री श्री रविशंकर का किरदार निभाना कठिन काम : विक्रांत मैसी

फर्स्ट टेक

सिंगापुर, चीन की यात्रा पर रवाना होंगे जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को सिंगापुर और चीन की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार जयशंकर चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में भाग लेने जा रहे हैं। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 2020 में सैन्य गतिरोध के कारण दोनों देशों के संबंधों में तनाव आने के बाद यह जयशंकर की पहली चीन यात्रा होगी। मंत्रालय के अनुसार सिंगापुर में जयशंकर अपने समकक्ष और अन्य नेताओं से मिलेंगे।

यमन में फुटबॉल खेल रहे पांच बच्चों की विस्फोट में मौत

अदन/एपी। दक्षिण-पश्चिमी यमन में एक रिहायशी इलाके में विस्फोटक उपकरण के विस्फोट हो जाने से फुटबॉल खेल रहे पांच बच्चों की मौत हो गई। अधिकार समूहों और प्रत्यक्षदर्शियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। ताइज प्रांत के अल-हशमा उपजिले में शुक्रवार रात घटित मौत की घटना की वास्तविक परिस्थितियां अभी स्पष्ट नहीं हैं।

23 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 23 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इन नक्सलियों पर कुल 1.18 करोड़ रुपए का इनाम था। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 23 नक्सलियों में नौ महिला नक्सली शामिल थीं।

अगर और हमला न हो तो अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता फिर से शुरू करेगा ईरान : ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान/एपी। ईरान के विदेश मंत्री ने शनिवार को कहा कि उनका देश अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता करने को तैयार है, बशर्ते कि उसपर और हमले न किये जाने का आश्वासन मिले। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों को दिए भाषण में कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के बारे में बातचीत के लिए हमेशा तैयार रहा है और भविष्य में भी तैयार रहेगा, लेकिन ''यह आश्वासन दिया जाना चाहिए कि बातचीत फिर से शुरू होने की स्थिति में यह प्रवृत्ति युद्ध की ओर नहीं ले जाएगी।''

12-07-2025 सूर्यास्त 6:50 बजे | 13-07-2025 सूर्योदय 6:00 बजे

BSE	NSE
82,500.47	25,149.85
(-689.81)	(-205.40)

सोना	चांदी
10,177 रु.	110,709 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लाओ ऐसा नेता

धर्म जाति अगड़ा-पिछड़ा,
अब उच्च दलित में बँटा वोट।
क्या यही स्वप्न था भारत का,
देखें हम जिसमें सदा खोट।
अपनी सत्ता के हित साधक,
चल रहे शकुनि बन कुटिल गोट।
लाओ कोई ऐसा नेता,
समदर्शी बन कर सके चोट।।

एअर इंडिया दुर्घटना रिपोर्ट

ईंधन आपूर्ति बंद होने और पायलटों में भ्रम की ओर इशारा किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- एआईआईबी की जारी की गई रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि उड़ान के दौरान स्विच 'कटऑफ' स्थिति में कैसे आ गए और न ही दुर्घटना के लिए किसी पर स्पष्ट रूप से दोष तय किया गया है।
- एआईआईबी की रिपोर्ट से पता चला कि दोनों इंजनों के ईंधन नियंत्रण स्विच एक सेकंड के अंतराल में 'रन' से 'कटऑफ' स्थिति में चले गए थे
- कॉकपिट की आवाज रिकॉर्डिंग में एक पायलट दूसरे से पूछता सुनाई देता है कि उसने ईंधन क्यों बंद किया, जिस पर दूसरा पायलट ईंधन बंद करने से इनकार करता है।
- एयरलाइंस पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने रिपोर्ट से असहमति जताते हुए कहा कि जांच पायलट के खिलाफ पक्षपातपूर्ण प्रतीत होती है और इसमें जल्दबाजी में निष्कर्ष पर पहुंचा गया है।

नई दिल्ली/भाषा। एअर इंडिया की उड़ान संख्या 171 के अहमदाबाद से उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त होने से कुछ सेकंड पहले, इसके दोनों इंजनों के ईंधन नियंत्रण स्विच बंद हो गए थे। यह बात शनिवार को प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कही गई जोकि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के कॉकपिट में पायलट की एक भयावह गलती की ओर इशारा करती है।

एयरलाइंस पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एपीएआई) ने रिपोर्ट से असहमति जताते हुए कहा कि जांच गोपनीयता के आवरण में लिपटी हुई, पायलट के खिलाफ पक्षपातपूर्ण प्रतीत होती है और इसमें जल्दबाजी में निष्कर्ष पर पहुंचा गया है।

दुर्घटना की 15 पृष्ठों की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से पता चला कि दोनों इंजनों के ईंधन नियंत्रण स्विच एक सेकंड के अंतराल में 'रन' से 'कटऑफ' स्थिति में चले गए थे, जिसके कारण विमान की ऊंचाई में तत्काल कमी आ गई।

कॉकपिट की आवाज रिकॉर्डिंग में एक पायलट दूसरे से पूछता सुनाई देता है कि उसने ईंधन क्यों बंद किया, जिस पर दूसरा पायलट ईंधन बंद करने से इनकार करता है।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एआईआईबी) की शनिवार सुबह जारी की गई रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि उड़ान के दौरान स्विच 'कटऑफ' स्थिति में कैसे आ गए और न ही दुर्घटना के लिए किसी पर स्पष्ट रूप से दोष तय किया गया है।

रिपोर्ट में आवाज की रिकॉर्डिंग में पायलटों की पहचान भी नहीं की गई। लेकिन इसमें यह भी कहा गया है कि विमान में कोई खामी नहीं थी, जिससे केवल अब पायलट की गलती ही एकमात्र संभावित कारण बचता है।

विमान का नियंत्रण फर्स्ट आफिसर क्लाइव कुंदर (32) के पास था, जबकि एअर इंडिया में 30 वर्षों का अनुभव रखने वाले वरिष्ठ अधिकारी सुमित सभरवाल, उड़ान की निगरानी करने वाले वरिष्ठ कॉकपिट अधिकारी थे।

हालांकि, रिपोर्ट में 2018 के एक 'एयरवर्थीनेस बुलेटिन' का संदर्भ दिया गया, जो 'यूनाइटेड स्टेट फेड्रल एविएशन एडमिन्ट्रेशन (एफएए) द्वारा जारी किया गया था, जिसमें कहा गया था कि बोइंग 737 जैसे छोटे मॉडल में 'फ्यूल स्विच' को 'लॉकिंग फीचर डिसएंगेज' के साथ लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि 'लॉकिंग प्रणाली' बोइंग के विभिन्न विमान मॉडल के समान था, जिसमें कुछ 787 भी शामिल हैं।

निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर सरकार का जोर

51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विनिर्माण क्षेत्र को भारत की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा है कि सरकार निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर भी जोर दे रही है। मोदी ने शनिवार को यहां वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से रोजगार मेले में 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद यह बात कही। इन युवाओं को सरकार के विभिन्न विभागों और संगठनों में नियुक्त किया गया है।

प्रधानमंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा, आज भारत की एक बहुत बड़ी ताकत हमारा मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर है। मैन्युफेक्चरिंग में बहुत बड़ी संख्या में नई जॉब्स बन रही हैं। मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर को गति देने के लिए इस वर्ष के बजट में मिशन मैन्युफेक्चरिंग की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे देखते हुए सरकार निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर अच्छा खासा जोर दे रही है। उन्होंने कहा, भारत सरकार का जोर प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी है। हाल ही में सरकार ने एक नई स्कीम रोजगार प्रोत्साहन योजना को मंज़ूरी दी है।

लोकतंत्र और युवा आबादी को भारत की असीमित शक्ति बताते हुए श्री मोदी ने कहा, आज 51 हज़ार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक लाखों नौजवानों को भारत सरकार में परमानेंट जॉब मिल चुकी है। अब ये नौजवान...राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं । आज दुनिया मान रही है कि भारत के पास दो असीमित शक्तियाँ हैं।

संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश के लिए भारतीय सिस्टम बनाकर उन्हें वैश्विक स्तर पर ले जाने की जरूरत बताते हुए कहा है कि अब देश किसी सैन्य आक्रमण से नहीं बल्कि विदेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता से कमजोर और पराधीन होंगे और संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा।

धनखड़ शनिवार को यहां भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कोटा के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।उन्होंने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार बताते हुए कहा हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं, एक नए राष्ट्रवाद के युग में। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। हमें तकनीकी नेतृत्व में वैश्विक अगुवा बनना होगा। उन्होंने रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात-निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा यदि हम रक्षा के क्षेत्र में बाहर से तकनीकी उपकरण प्राप्त करते हैं, तो वह देश हमें ठहराव की स्थिति में ला सकता है। डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा 21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं।

डिजिटल क्षेत्र की चर्चा करते हुए श्री धनखड़ ने कहा एक स्मार्ट ऐप जो ग्रामीण भारत में काम नहीं करता, वह पर्याप्त स्मार्ट नहीं है। एक एआई मॉडल जो क्षेत्रीय भाषाओं को नहीं समझता, वह अधूरा है। एक डिजिटल उपकरण जो दिव्यांगों को शामिल नहीं करता, वह अन्यायपूर्ण है।

उन्होंने युवाओं से स्थानीय समाधान को वैश्विक स्तर तक ले जाने का आह्वान करते हुए कहा भारत के युवाओं को टेक्नोलॉजी की दुनिया के सजग संरक्षक बनना चाहिए।

एलडीएफ और यूडीएफ के नेतृत्व वाली सरकारों ने 'तुष्टीकरण की राजनीति' की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ), दोनों पर ही निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों मोर्चों की सरकारों ने केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया, तुष्टीकरण की राजनीति की और केरल को 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) जैसी 'राष्ट्र-विरोधी ताकतों' के लिए पनाहगाह बना दिया।

शाह ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ही राज्य में विकास ला सकता है, न कि एलडीएफ या यूडीएफ। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों के विकास के बिना 'विकसित भारत' संभव नहीं है और 'विकसित भारत' का मार्ग केवल 'विकसित केरलम' से होकर जाता है।

शाह ने रेखांकित किया, इसलिए, अब से भाजपा का मूल उद्देश्य 'विकसित केरलम' होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा के बिना केरल में विकास नहीं हो सकता।

केंद्रीय मंत्री ने अपने दावे के समर्थन में कहा कि मोदी सरकार ने राज्य को हजारों करोड़ रुपए की विड़िग्गम बंदरगाह जैसी परियोजनाएं समर्पित की हैं, दो वंदे भारत ट्रेनों के जरिए 11 जिलों को जोड़ा है और केरल के लिए रेलवे बजट को वर्ष 2004 के 372 करोड़ रुपए से बढ़ाकर वर्तमान में 3,700 करोड़ रुपए कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकारों की तुलना में केरल पर कई गुना ज्यादा पैसा खर्च किया है।

शाह ने कहा कि वह पार्टी के प्रदेश कार्यालय के जरिए इसके विस्तृत आंकड़े जारी करेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने शनिवार को कहा कि भाजपा के लिए केरल में मुख्यमंत्री होने से ज्यादा जरूरी यह सुनिश्चित करना है कि राज्य में पार्टी कार्यालय 'विकसित केरलम' का केंद्र बने।

शाह ने पार्टी के 'विकसित केरलम' मिशन का 'लोगो' भी जारी किया। उन्होंने माकपा नीत एलडीएफ और कांग्रेस नीत यूडीएफ पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों गठबंधन की सरकारों ने केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया, तुष्टीकरण की राजनीति की और केरल को पीएफआई जैसी 'राष्ट्र-विरोधी ताकतों' के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बना दिया।

केंद्र सरकार ने 2022 में पीएफआई और उसके सहयोगियों को गैरकानूनी घोषित कर दिया।

शाह ने कहा कि केरल सरकार के पास पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने के सभी अधिकार हैं। उन्होंने सवाल किया कि केरल सरकार ने ऐसा क्यों नहीं किया।

भारतीय सशस्त्र बलों पर देवी काली का विशेष आशीर्वाद : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों पर देवी काली का विशेष आशीर्वाद है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय बलों ने अद्भुत वीरता, साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए पाकिस्तानी धरती पर आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने में सफलता प्राप्त की।

लखनऊ के चौक क्षेत्र में कालीजी मंदिर में नवनिर्मित खंड के उद्घाटन के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, जब लखनऊ नहीं था, तब भी यह काली मंदिर था और आज जब लखनऊ एक भव्य रूप ले रहा है तब भी यह मंदिर हम सब की प्रेरणा की शक्ति के रूप में मौजूद है। उन्होंने कहा कि मुझे भी काली मां ने अपनाया है और मैं आजीवन लखनऊ की सेवा का व्रत लेकर यहां पर काम कर रहा हूं।

आपरेशन सिंदूर की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन में बड़ी संख्या में महिला सैनिकों और पायलटों ने भाग लिया और मां काली के एक रूप से दुश्मनों को परास्त किया।

लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने कहा कि श्री बड़ी काली जी मंदिर लखनऊ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है।

ईडी ने पीएसीएल मामले में 762 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि 48,000 करोड़ रुपये की कथित पोंजी योजना से जुड़े एक मामले में धनशोधन निरोधक कानून के तहत पीएसीएल (पर्ल्स समूह) और उसके प्रवर्तकों की 762 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क की गई हैं। इस पोंजी योजना के माध्यम से कई निवेशकों के साथ ठगी हुई थी। ईडी ने एक बयान में कहा कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और ऑस्ट्रेलिया में स्थित 68 अचल संपत्तियों को कुर्क करने के लिए एक आदेश जारी किया गया है। वर्ष 2015 की धनशोधन जांच 'पर्ल एग्रोटेक कॉर्पोरेशन लिमिटेड' (पीएसीएल), पीजीएफ लिमिटेड, इसके मुख्य प्रवर्तक, दिवंगत निर्मल सिंह भंगू और अन्य के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी पर आधारित थी।

भारतीय न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई ने शनिवार को कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही है और मुकदमों में कभी-कभी कई दशकों की देरी हो सकती है।

नालसार विधि विश्वविद्यालय, हैदराबाद में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने छात्रों को सलाह दी कि वे छात्रवृत्ति पर विदेश जाकर अध्ययन करें और परिवार पर वित्तीय बोझ नहीं डालें। उन्होंने कहा, ''हमारा देश और न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही है। मुकदमों में देरी कभी-कभी दशकों तक चल सकती है। हमने ऐसे मामले देखे हैं जहां विचाराधीन कैदी के रूप में कई वर्ष जेल में बिताने के बाद भी कोई व्यक्ति निर्दोष पाया गया है। हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं हमें उन समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकती हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं।''

प्रधान न्यायाधीश ने इस संबंध में अमेरिका के वरिष्ठ संघीय जिला न्यायाधीश जेड एस राकॉफ का हवाला दिया।

अमेरिकी न्यायाधीश ने अपनी पुस्तक 'क्यों निर्दोष दोषी ठहराए जाते हैं एवं दोषी मुक्त हो जाते हैं: और हमारी टूटी हुई कानूनी व्यवस्था के अन्य विरोधाभास'' में लिखा था, ''हालांकि में इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि हमारी न्याय व्यवस्था में सुधार की सख्त ज़रूरत है, फिर भी मैं पूरी तरह से आशावादी हूं कि मेरे साथी (नागरिक) इस चुनौती का सामना करेंगे।''

अमेरिकी न्यायाधीश की इस टिप्पणी को प्रधान न्यायाधीश गवई ने उद्धृत किया।

विदेश में मास्टर डिग्री हासिल करने के दबाव पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा, सिर्फ एक विदेशी डिग्री आपकी योग्यता पर मुहर नहीं है। यह फैसला बिना सोचे-समझे या अपने साथियों के दबाव में न लें। इसके बाद क्या होगा? बरसों का कर्ज, चिंता, आर्थिक बोझ तले करियर के फैसले। उन्होंने कुछ युवा स्नातकों या वकीलों का उदाहरण दिया, जो विदेश में शिक्षा के लिए 50-70 लाख रुपए तक का ऋण लेते हैं।

यांत्रिक, इलेक्ट्रिकल समस्याओं के कारण भी एअर इंडिया के विमान में ईंधन स्विच बंद हुए होंगे : विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान की दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में विमान के ईंधन स्विच के बंद होने को लेकर उसमें मौजूद दो पायलट के बीच उत्पन्न भ्रम की स्थिति को उजागर किया गया है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट जारी की है।

पंद्रह पृष्ठ की रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉकपिट की वॉयस रिकॉर्डिंग में एक अज्ञात पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने ईंधन स्विच क्यों बंद कर दिया है, जबकि दूसरे पायलट ने कहा कि उसने ऐसा नहीं किया है। यहां दोनों पायलट का संक्षिप्त परिचय इस प्रकार है–

कैप्टन सुमित सभरवाल: एअर इंडिया में 30 साल का अनुभव रखने वाले 56–वर्षीय सभरवाल के पास एआई 171 (बोइंग 787 ड्रीमलाइनर) की कमान थी। सभरवाल के पास 8,596 घंटे बोइंग 787 उड़ाने समेत कुल 15,638 घंटे उड़ान भरने का अनुभव था। वह एअर इंडिया के प्रशिक्षक भी थे।

सभरवाल ने हवाई अड्डे से अपने परिवार को फोन किया था, उन्हें आश्वासन दिया था कि वह लंदन में उतरने के बाद उनसे फिर से संपर्क करेंगे। मुंबई में उनके सहकर्मी और सह–पायलट उन्हें एक सज्जन व्यक्ति के रूप में याद करते थे, जो न केवल अपने उड़ान कौशल के लिए, बल्कि अपने जमीनी स्तर के स्वभाव के लिए भी जाने जाते थे।

सह–पायलट क्लाइव कुंदर: 32–वर्षीय कुंदर के पास कुल 3,403 घंटों का उड़ान अनुभव था, जिसमें से 1,128 घंटे उन्होंने ड्रीमलाइनर पर बिताए थे। कुंदर उड़ान संख्या– एआई 171 उड़ा रहे थे, जबकि सभरवाल इसकी निगरानी कर रहे थे। मुंबई के गोरेगांव निवासी कुंदर ने पायलट बनने के अपने सपने को सफलतापूर्वक पूरा करने से पहले एक साल तक एयरोनॉटिकल इंजीनियर के रूप में काम किया था। उनके पड़ोसी उन्हें एक नेकदिल और खेलों के शौकीन व्यक्ति के रूप में याद करते हैं, जो इमारत के परिसर में क्रिकेट खेला करते थे।

विमान की कमान कैप्टन सभरवाल और सह-पायलट क्लाइव कुंदर के पास थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों ने शनिवार को कहा कि पिछले महीने अहमदाबाद में उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान में संभवतः यांत्रिक या बिजली आपूर्ति संबंधी समस्या आई होगी, जिसके कारण विमान में ईंधन आपूर्ति करने वाले स्विच की स्थिति बदल गई होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईंधन स्विच की स्थिति में बदलाव होने के कारणों का पता आगे की जांच के दौरान चलेगा।

वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि 12 जून को हुई दुर्घटना से पहले बोइंग 787–8 विमान के इंजन 1 और 2 के ईंधन स्विच एक सेकंड के अंतराल में 'कटऑफ' हुए और बाद में चालू किये गये थे।

बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान ने 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद गति खोनी शुरू कर दी और वह एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार 242 लोगों में से एक को छोड़कर सभी की मौत हो गई। वहीं, दुर्घटनास्थल पर मौजूद 19 अन्य लोग भी मारे गए थे।

फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफपीआई) के अध्यक्ष और एअर इंडिया के पूर्व पायलट कैप्टन सी. एस. रंधावा ने कहा कि ईंधन स्विच की स्थिति को केवल मानवीय हस्तक्षेप से ही बदला जा सकता है। ये स्विच स्प्रिंग युक्त होते हैं और इनमें लॉक लगा होता है। उन्होंने बताया कि अगर इन्हें 'रन' स्थिति में रखना है, तो पहले इन्हें

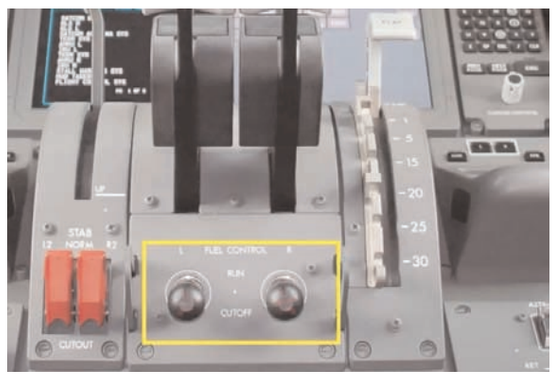

बाहर खींचकर उस स्थिति में लाना पड़ता है। उनके अनुसार, ये स्विच आमतौर पर उस वक्त इस्तेमाल किए जाते हैं जब विमान के दोनों इंजन 'फ्लेमआउट' हो गये हों या पायलट ने इन स्विच को 'रीसेट' किया हो। उन्होंने कहा, ''प्रारंभिक रिपोर्ट से यह स्पष्ट नहीं है कि स्विच की स्थिति क्यों बदली गई थी।''

उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति में रुकावट भी इसका कारण हो सकती है। रंधावा ने कहा कि जब ईंधन नियंत्रण स्विच को बंद करना होता है, तो उड़ान भर रहा पायलट कहेगा, 'फ्यूल कंट्रोल स्विच लेफ्ट, पुष्टि करें।' तब, दूसरे पायलट द्वारा पुष्टि किए जाने के बाद, यह स्विच बंद कर दिया जाता है।

एअर इंडिया की ड्रीमलाइनर उड़ान दुर्घटना का घटनाक्रम

नई दिल्ली/भाषा। लंदन जा रही एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई171, 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने के 32 सेकंड बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई, क्योंकि इसके दोनों इंजनों की ईंधन आपूर्ति एक सेकंड के अंतराल पर बंद हो गई थी। एक प्रारंभिक रिपोर्ट में यह बात सामने आयी कि भ्रमित पायलट समय पर 'थ्रस्ट' बहाल नहीं कर पाए। इस दुर्घटना के पीछे की घटनाओं का भारतीय समयानुसार क्रम इस प्रकार है:

11:17 बजे (पूर्वाह्न) : उड़ान एआई423 के रूप में संचालित एअर इंडिया ड्रीमलाइनर वीटी–एएनबी नई दिल्ली से अहमदाबाद उतरा।

13:13:00 बजे (अपराह्न): विमान ने 'पुशबैक' और 'स्टार्ट अप' का अनुरोध किया।

'पुशबैक' विमान को एयरपोर्ट पर उसके गेट या डॉक्स से सुरक्षित तरीके से पीछे करने की एक प्रक्रिया होती, ताकि उसे रनवे पर ले जाने के लिए तैयार किया जा सके।

विमान का 'स्टार्ट अप' एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है, जिसे पायलट और 'ग्राउंड क्रू' द्वारा सावधानी से किया जाता है ताकि विमान उड़ान के लिए तैयार किया जा सके। इसमें विमान के इंजन को चालू करना, सभी प्रणाली की जांच करना और उड़ान के लिए आवश्यक सभी प्रक्रियाओं को पूरा करना शामिल होता है।

13:13:13 बजे: एटीसी ने 'पुशबैक' को मंजूरी दी।

13:16:59 बजे: एटीसी ने 'स्टार्ट अप' की मंजूरी दी।

13:18:38 बजे: विमान अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बे 34 से निकला।

13:19:12 बजे: एटीसी ने पूछा कि क्या विमान को रनवे की पूरी लंबाई की आवश्यकता है। विमान ने रनवे 23 की पूरी लंबाई की आवश्यकता की पुष्टि की।

13:25:15 बजे: विमान ने टैक्सी क्लीयरेंस का अनुरोध किया, जिसे हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) ने मंजूरी दे दी।

13:26:00 बजे: विमान टैक्सीवे आर4 के माध्यम से रनवे 23 पर पहुंचा, उड़ान के लिए तैयार हुआ।

13:32:03 बजे: विमान का नियंत्रण जमीन से टावर को स्थानांतरित।

13:33:45 बजे: विमान को रनवे 23 पर लाइन में लगने का निर्देश दिया गया।

13:37:37 बजे: एटीसी ने रनवे 23 से उड़ान भरने की अनुमति दी।

13:38:39 बजे: विमान ने रनवे से उड़ान भरी।

13:38:42 बजे: विमान की अधिकतम गति 180 नॉट तक पहुंची।

इसके तुरंत बाद, इंजन एक और इंजन दो, दोनों के ईंधन 'कटऑफ स्विच' एक सेकंड के अंतराल पर 'रन' से 'कटआफ' स्थिति में चले गए। ईंधन आपूर्ति बंद होते ही इंजन की गति धीमी होने लगती है। उड़ान भरने के तुरंत बाद रैम एयर टर्बाइन (आरएटी) का इस्तेमाल किया गया। आरएटी का उपयोग सामान्य रूप से तब किया जाता है जब विमान को 'पावर' की आवश्यकता होती है और इसके मुख्य 'पावर' स्रोत (जैसे इंजन या विद्युत प्रणाली) विफल हो जाते हैं। एक पायलट दूसरे से पूछता हुई सुनाई देता है कि उसने ईंधन क्यों बंद किया। दूसरा जवाब देता है कि उसने ऐसा नहीं किया।

13:38:47 बजे: इंजन एन1 और एन2, दोनों की गति न्यूनतम गति से नीचे चली जाती है। आरएटी का पंप हाइड्रोलिक पावर की आपूर्ति शुरू करता है।

13:38:52 बजे: इंजन एन1 का ईंधन कटऑफ स्विच 'कटऑफ' से 'रन' पर जाता है।

13:38:56 बजे: इंजन एन2 का ईंधन 'कटऑफ' स्विच भी 'रन' पर चला गया।

इंजन 1 में सुधार होता है, लेकिन इंजन 2 अब भी पूरी तरह से काम नहीं कर पा रहा।

13:39:05 बजे: दो पायलटों में से एक पायलट ने 'मे डे– मे डे– मे डे' संदेश दिया।

13:39:11 बजे: विमान से डेटा रिकॉर्डिंग बंद हुई।

13:44:44 बजे: दमकल गाड़ियां बचाव और अग्निशमन के लिए हवाई अड्डे से रवाना हुईं।

विमान दुर्घटना पर एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट पर जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालना अपरिपक्वता : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू ने शनिवार को कहा कि अहमदाबाद में हाल में हुई एअर इंडिया विमान दुर्घटना को लेकर अभी निष्कर्ष पर पहुंचना अपरिपक्वता होगी, क्योंकि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने अभी केवल प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है।

गत 12 जून को बोइंग 787 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने 260 लोगों की मौत हो गई थी। विमान में सवार 242 व्यक्तियों में से केवल एक ही जीवित बचा था। नायडू ने कहा, ''इसलिए, इस समय किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहिए। हमें अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए। ये तकनीकी बातें हैं और इसलिए हमारे पास ये जांच एजेंसियां हैं। एक बार जब उन्हें चीजें स्पष्ट हो जाएंगी... तो वे अंतिम रिपोर्ट सौंपेंगी। इस समय मेरे लिए इस पर टिप्पणी करना बहुत अपरिपक्व होगा।'' नागरिक उड्डयन मंत्री ने आधिकारिक कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से बात करते हुए एएआईबी, भारतीय पायलटों और विमान कर्मी दलों की प्रशंसा की और उन्हें दुनिया में 'सर्वश्रेष्ठ' बताया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत की सबसे भीषण हवाई दुर्घटनाओं में से एक में मारे गए लोगों के परिजनों के साथ 'न्याय' होना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''न्याय होना ही चाहिए। मुझे पता है कि यह परिवार के सदस्यों के लिए बहुत कठिन समय है, लेकिन हमारी ओर से, मंत्रालय की ओर से हम जो भी सर्वश्रेष्ठ कर सकते हैं, हम उसकी पूरी कोशिश कर रहे हैं।''

एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर रिपोर्ट जारी,जानिए क्या होते हैं 'ईंधन स्विच' और कैसे करते हैं काम

नई दिल्ली/भाषा। अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की एक प्रारंभिक रिपोर्ट में दुर्घटनाग्रस्त बोइंग 787–8 का 'ईंधन स्विच' बंद होने को लेकर दो पायलट के बीच भ्रम की स्थिति का उल्लेख किया गया है। ईंधन स्विच विमान के इंजनों में ईंधन के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं। स्विच की दो अवस्था होती हैं – 'रन' और 'कट ऑफ'। इनका उपयोग इंजनों को चालू या बंद करने के लिए किया जाता है।

एक अनुभवी पायलट के अनुसार, ईंधन स्विच की अवस्था को गलती से नहीं बदला जा सकता बल्कि इसकी एक प्रक्रिया होती है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर 'ब्रैकेट' लगे होने के कारण ईंधन स्विच सुरक्षित होते हैं। ये ब्रैकेट इसलिए लगे होते हैं कि स्विच की अवस्था में अचानक कोई बदलाव न हो। पायलट ने बताया कि स्विच की अवस्था बदलने से पहले उन्हें ऊपर खींचना पड़ता है। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर में ईंधन स्विच थ्रस्ट लीवर के नीचे स्थित होते हैं। दुर्घटनाग्रस्त एआई 171 उड़ान के मामले में, विमान के दो इंजनों के ईंधन स्विच एक सेकंड के अंतराल में बंद हो गए थे और फिर वे चालू हो गए थे। पायलट ने बताया, थ्रस्ट लीवर कार के एक्सीलेटर पैडल की तरह होता है जिस पर पावर का बढ़ना और घटना निर्भर करता है। इसमें दो चरम अवस्थाएं होती हैं – एक आइडल पावर और एक फुल पावर। इसके अलावा ईंधन नियंत्रण स्विच होता है, जिसमें दो अवस्थाएं होती हैं – कट ऑफ और रन। इसलिए जब आप इंजन बंद करते हैं तो ईंधन नियंत्रण स्विच कट ऑफ मोड में होता है। अनुभवी पायलट के अनुसार, इंजन चालू करने के लिए दो चरण होते हैं। पहले चरण में 'स्टार्ट सिलेक्टर' को चालू किया जाता है और फिर ईंधन नियंत्रण स्विच को रन मोड में रखा जाता है। उन्होंने कहा, इसके बाद अंदर स्वचालित रूप से बहुत सारी चीजें होने लगती हैं। इंजन चलना शुरू हो जाता है, इसका मतलब है कि इंजन में ईंधन जा रहा है। थ्रस्ट लीवर निष्क्रिय अवस्था में होता है जबकि इंजन निष्क्रिय अवस्था में चलना शुरू कर देता है। ईंधन नियंत्रण को कट ऑफ से रन तक ले जाने में एक इलेक्ट्रॉनिक गेट होता है, जिसके कारण आपको जानबूझकर स्विच को खींचकर इसे रन मोड या फिर इसी तरह खींचकर कट ऑफ पर रखना होता है।

पायलटों के साथ विमान दुर्घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट की समीक्षा करेगी एयर इंडिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एयर इंडिया ने कहा कि वह 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट की समीक्षा के लिए आने वाले दिनों में विशेष सत्र आयोजित करेगी, जिनमें पायलटों को भी शामिल किया जाएगा।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एआईआईबी) ने शनिवार सुबह 15 पृष्ठों की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट जारी की। इसमें पाया गया कि एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई171 के दोनों इंजनों को ईंधन की आपूर्ति एक सेकंड के अंतर में बंद हो गई थी, जिससे कॉकपिट में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई और विमान उड़ान भरने के लगभग तुरंत बाद ही वापस जमीन पर गिर गया। एयर इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (उड़ान परिचालन) मनीष उप्पल ने पायलटों को लिखे एक पत्र में कहा, ''12 जून को अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रही हमारी उड़ान संख्या एआई171 से जुड़ी हालिया दुखद दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आधिकारिक तौर पर जारी कर दी गई है। विमानन पेशेवर होने के नाते, हम समझते हैं कि सुरक्षा से जुड़ी हर घटना से सुरक्षित उड़ान सुनिश्चित करने के लिए सीख लेना सबसे महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि इस त्रासदी ने विमानन जगत और एयर इंडिया के पायलट समुदाय को गहराई से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, ''प्रारंभिक रिपोर्ट एयरलाइन को शुरुआती जानकारी देती है। यह अंतिम निर्णय नहीं है, बल्कि कारकों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि ऐसी त्रासदी को रोकने के लिए सभी संभव उपाय किए जाएं।''

जो बुराइयां सिखाएं वे मित्र नहीं, शत्रु हैं : आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वर

चार सौ साधक तप साधना में जुड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शनिवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में प्रवचन को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि जिन्हें हम घनिष्ट मित्र मानते हैं, अमूमन शराब, जुआ, चोरी, धन और समय की बर्बादी, दुराचार, अपराध आदि सभी बुराइयां उनसे ही हमारी जिंदगी में आती हैं। ऐसे मित्र हितैषी नहीं, अहितकारी और खतरनाक होते हैं। ऐसे मित्रों से दूर रहना अत्यंत आवश्यक है। हकीकत में ऐसे लोग मित्र नहीं, शत्रुतुल्य होते हैं। सद्गुरु हमें बुराइयों से बचाते हैं और अच्छाइयों के मार्ग पर आगे बढ़ाते हैं, इसलिए वे ही सच्चे कल्याणमित्र हैं। इसी प्रकार व्यवहारिक जगत में भी कोई हमारे कल्याणमित्र हो सकते हैं। कल्याणमित्र की प्राप्ति जीवन की उल्लेखनीय उपलब्धि है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन साहित्य में मनुष्य के भौतिक और आध्यात्मिक रिश्तों को लेकर कल्याणमित्र की बहुत सुंदर चर्चा की गई है।

जो लोग हमारे धन, परिवार, व्यापार आदि भौतिक–व्यवहारिक सुखों की चिंता करते हों, वे हमारे घनिष्ट मित्र हो सकते हैं, लेकिन कल्याणमित्र तो वे होते हैं जो हमारे आत्महितों की चिंता करते हों। कल्याणमैत्री दुर्लभ होती है और सौभाग्य से मिलती है।

सद्गुरु को जैन साहित्य ने कल्याणमित्र कहा है। सद्गुरु हमारे धन, व्यापार, सुख–सुविधा और परिवार से आगे, सदाचार, धर्म, आत्मकल्याण व आध्यात्मिक उन्नति का ध्येय लेकर चलते हैं। वे नश्वर सुखों से परे हमारे शाश्वत सुख की चिंता करते हैं। इसलिए इस दुनिया में हमारे मित्र–दोस्त कितने भी हों, सद्गुरु के रूप में एक कल्याणमित्र भी होने चाहिए।

मंत्री हरीश गादिया ने कहा कि शनिवार को यहां चार सौ साधकों ने सोलह दिवसीय सामूहिक कषाय जय तप का मंगल प्रारंभ किया। गणि पद्मविमलसागरजी ने मंत्रोच्चारपूर्वक उन्हें संकल्प दिलवाए।

सभी को अभिमंत्रित श्रीफल प्रदान किया गया। कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने जानकारी दी कि रविवार को पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी की पहली जागरण सेमिनार आयोजित होगी।

सहज स्मृति योग

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@ darpan foundation .com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, अन्यान्य देवी देवताओं की उपासना का क्या रहस्य है? क्या वेद ऐसा नहीं कहते हैं कि परमात्म देव एक ही हैं?

उत्तर: जैसे मानव के साथ–साथ अनेक योनिज प्राणी भी प्रथ्वी पर हैं वैसे ही सृष्टि में पृथ्वी से परे भी चेतना के सूक्ष्मतर स्तरों पर अनेक अयोनिज, आत्मज, चैतसिक प्राणी भी हैं उनका प्राण हमारे प्राण जैसा स्थूल नहीं होता बल्कि शुद्धतर चैतन्य संभूत होता है जो यथार्थ प्रत्याहार के उपरांत गुरु कृपा से अनुभव गम्य होता है। इन्हें सनातनी परंपरा में मानस संतति (पुत्र) कहते हैं जैसे ब्रह्मा के अनेकानेक मानस पुत्र पुराण प्रसिद्ध हैं। उपासना करने के समय यदि साधक साधिकाएं उस स्तर पर पहुँच पाएँ जहाँ इष्ट देवी या इष्ट देव और उनके भक्त में जो अंतर है वह कुछ अवधि के लिए ही सही पर निःशेष हो जाए तो ये अशरीरी चेतनाएँ उनकी कारण, सूक्ष्म और स्थूल देह के माध्यम से स्वयं के होने की अनुभूति और अनुभव प्राप्त करती हैं जो वे अन्यथा नहीं कर पातीं और वे साधक उनके होने का प्रमाण प्राप्त कर अपनी श्रद्धा और भक्ति में प्रगाढ़ता प्राप्त करते हैं। देवी देवताओं की उपासना का यही रहस्य है। जब साधक इन सब व्यवस्थाओं से परे निकल आता है तो जिसे आप परमात्म देव कह रहे हैं वह स्पष्ट होता है। ऋग्वेद का नासदीय सूक्त उपनिषदों में वर्णित यक्ष–देव, उमा–इंद्र, यम–नचिकेता, इत्यादि संवाद इसका संकेत करते हैं।

'एक देश, एक चुनाव' मुद्दे पर जेपीसी की अगली बैठक 30 जुलाई को होने की संभावना : पीपी चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'एक देश, एक चुनाव' पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष पी पी चौधरी ने कहा कि इस समिति की अगली बैठक 30 जुलाई को होने की संभावना है।

चौधरी ने 'पीटीआई–वीडियो' को दिये एक साक्षात्कार में कहा कि न्यायमूर्ति राजेंद्र मल लोढ़ा और न्यायमूर्ति शरद अरविंद बोबडे को अगली बैठक में अपने विचार व्यक्त करने के लिए बुलाया जा सकता है।

भाजपा सांसद चौधरी की अध्यक्षता वाली संयुक्त संसदीय समिति विधेयक पर अपनी सिफारिशें तैयार करने के लिए न्यायविदों और कानूनी विशेषज्ञों से बातचीत कर रही है। पूर्व प्रधान न्यायाधीशों–– न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जे एस खेहर और न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को समिति की आठवीं बैठक के दौरान उसके सामने अपनी राय रखी। चौधरी ने कहा, ''समिति इस मुद्दे पर बहुत गंभीरता से चर्चा कर रही है और पूर्व प्रधान न्यायाधीशों समेत विभिन्न कानूनी दिग्गजों ने हमें यह समझने में मदद करने के लिए अपनी राय दी है कि क्या यह विचार संवैधानिक ढांचे के भीतर फिट बैठता है।''

चौधरी ने कहा कि समिति की अगली बैठक संभवतः 30 जुलाई को होगी। जब उनसे यह पूछा गया कि समिति अपनी रिपोर्ट कब पेश करेगी, तो उन्होंने कहा कि कोई जल्दी नहीं है, क्योंकि सभी पक्षों की राय सुनी जाएगी।

उन्होंने कहा, ''पूरे देश को यह महसूस होना चाहिए कि संयुक्त संसदीय समिति ने सबकी बात सुनी है और सबके विचार जाने हैं... अगर सदस्यों को लगता है कि रिपोर्ट पेश करने से पहले और लोगों की बात सुनने की ज़रूरत है, तो हम संसद से और समय मांग सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि चार पूर्व प्रधान न्यायाधीशों ने समिति के सामने अपने विचार रखे और सभी शंकाओं का समाधान किया।

चौधरी ने कहा,''उच्चतम न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के साथ–साथ वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी समिति के सदस्यों के साथ बातचीत की।'' उन्होंने कहा, ''बातचीत इस बात पर केंद्रित थी कि क्या एक देश, एक चुनाव विधेयक संविधान के अनुरूप है।''

प्रधानमंत्री मोदी के भारत को लेकर दृष्टिकोण पर गोयल ने कहा, 'पड़ोसी की ईर्ष्या, मालिक का अभिमान'

मुंबई/भाषा। केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत को लेकर दृष्टिकोण को दर्शाने के लिए एक टेलीविजन ब्रांड की मशहूर पंक्ति 'पड़ोसी की ईर्ष्या, मालिक का गौरव' का उल्लेख किया।

केंद्रीय मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत को गौरवान्वित और विश्व स्तर पर प्रशंसित बनाने के लिए दृढ़ हैं, जिससे सभी को ईर्ष्या होगी। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत को विश्वस्तर पर गौरवान्वित और प्रशंसित बनाने के लिए दृढ़संकल्पित हैं, जिससे हर कोई ईर्ष्या करेगा। गोयल ने कहा, हम एक ऐसा राष्ट्र बनाना चाहते हैं जिसे दूसरे ईर्ष्या से देखें और हमें गर्व से भर दें। क्या आपको वह टीवी विज्ञापन याद है जिसकी 'टैगलाइन' थी, 'पड़ोसी की ईर्ष्या, मालिक का अभिमान'? प्रधानमंत्री मोदी इसी तरह के भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनके शासन ने देश के युवाओं के लिए स्व–रोज़गार और उद्यमिता से लेकर स्टार्टअप व व्यावसायिक उपक्रमों तक, सभी क्षेत्रों में अवसरों के द्वार खोले हैं। मेक इन इंडिया (भारत में विनिर्माण करो), आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया या डिजिटल इंडिया जैसी योजनाएं भारत को दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में मदद कर रही हैं। मुंबई उत्तर से लोकसभा सांसद गोयल ने कहा, हमारे युवा देश की अर्थव्यवस्था से तेज़ी से जुड़ रहे हैं। भारत अब दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। अगले ढाई सालों में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। इस उपलब्धि के पीछे युवाओं की ही भूमिका होगी।

महाराष्ट्र के शिरडी साईंबाबा मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पूजा-अर्चना की।

आध्यात्मिक शांति के लिए गुफा में रह रही रूसी महिला और उसके दो बच्चों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कारवार। उत्तर कन्नड़ जिले के कुमटा तालुक की शांत लेकिन दुर्गम रामतीर्थ पहाड़ियों में स्थित एक सुदूर गुफा से रूस की एक महिला एवं उसके दो छोटे बच्चों को बचाया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी और कहा कि रूसी महिला आध्यात्मिक शांति की तलाश में वहां रह रही थी। उन्होंने बताया कि महिला की पहचान 40 वर्षीय नीना कुटीना उर्फ मोही के रूप में हुई है। वह 'बिजनेस वीजा' पर रूस से भारत आई थी। वह हिंदू धर्म तथा भारत की आध्यात्मिक परंपराओं से बहुत ज्यादा प्रभावित हुई, इसलिए वह गोवा के रास्ते पवित्र तटीय शहर गोकर्ण पहुंची थी।

अधिकारी ने बताया कि मोही के दो बच्चे भी हैं, जिनका नाम प्रेया (6) और अमा (4) है। ये सभी लगभग दो सप्ताह से जंगल के बीचोंबीच और पूरी तरह से एकांत में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि इस छोटे से परिवार ने घने जंगल और खड़ी ढलानों से घिरी एक प्राकृतिक गुफा के अंदर एक साधारण सा घर बना लिया था। अधिकारी ने बताया कि मोही ने वहां रुद्र की प्रतिमा स्थापित की हुई थी। उन्होंने कहा कि वह प्रकृति के बीच आध्यात्मिक शांति की तलाश में पूजा और ध्यान में अपना दिन बिताया करती थी। उसके साथ केवल उसके दो छोटे बच्चे रहे। उन्होंने बताया कि हाल ही में हुए भूस्खलन के बाद शुक्रवार को नियमित गश्त के दौरान पुलिस निरीक्षक श्रीधर और उनकी टीम ने गुफा के बाहर कपड़े लटके हुए देखे थे। उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक एम नारायण ने शनिवार को पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए कहा, हमारी गश्त टीम ने रामतीर्थ पहाड़ी में गुफा के बाहर सूखने के लिए साड़ी और अन्य कपड़े लटके हुए देखे थे। जब वे वहां गए तो उन्होंने मोही को उसके बच्चों प्रेया और अमा के साथ देखा।

उन्होंने कहा, ''यह बहुत ही हैरानी की बात है कि वह और उसके बच्चे जंगल में कैसे जीवित रहे और क्या खाते-पीते रहे। शुक्र है कि जंगल में रहने के दौरान उनके या उनके बच्चों के साथ कोई अनहोनी नहीं हुई।'' उनके अनुसार, महिला संभवतः गोवा से यहां पहुंची है। अधिकारी ने बताया कि यह भी पता चला कि महिला का वीजा 2017 में ही समाप्त हो गया था। वह कितने समय से भारत में रह रही है, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

नारायण ने कहा, ''हमने एक साध्वी द्वारा संचालित आश्रम में उसके रहने की व्यवस्था की है। हमने उसे गोकर्ण से बेंगलूरु ले जाने और निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।'' एक स्थानीय एनजीओ की मदद से रूसी दूतावास से संपर्क किया गया और उसे निर्वासित करने की औपचारिकताएं शुरू की गईं।

डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के लिए न तो जल्दबाजी में हैं और न ही दबाव में हैं : डीके सुरेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व लोकसभा सदस्य डीके सुरेश ने शनिवार को स्पष्ट किया कि उनके भाई एवं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद को लेकर न तो जल्दबाजी में हैं और न ही दबाव में हैं।

उन्होंने यह टिप्पणी मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के हाल के उस बयान की पृष्ठभूमि में की, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। सुरेश ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'डीके शिवकुमार न तो (मुख्यमंत्री बनने की) जल्दी में हैं और न ही किसी दबाव में हैं।'

इससे पहले, यह अनुमान लगाया जा रहा था कि शिवकुमार, जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं और मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं, बहुत जल्द मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालेंगे।

सवालों के जवाब में सुरेश ने कहा, 'कांग्रेस में कोई मतभेद नहीं है। आलाकमान, मुख्यमंत्री और शिवकुमार पहले ही इस मामले को स्पष्ट कर चुके हैं।' सिद्दरामय्या ने कहा है कि वे नेतृत्व में बने रहेंगे। फिर भी हमें नहीं पता कि मीडिया में भ्रम क्यों है?' उन्होंने कहा कि शिवकुमार दी गई जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभा रहे हैं और पार्टी के निर्देशानुसार काम कर रहे हैं।

सुरेश ने कहा, 'फिलहाल मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं है। हमें नहीं पता कि इस मुद्दे पर बार-बार चर्चा क्यों हो रही है।' उन्होंने कहा कि शिवकुमार वफादार पार्टी कार्यकर्ता हैं, जो कांग्रेस आलाकमान का सम्मान करते हैं।

टैंक से गैस रिसाव के संदेह में एमआरपीएल के दो फील्ड ऑपरेटरों की मौत, जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) के तेल संचलन क्षेत्र में एक भंडारण टैंक के ऊपर खतरनाक वाष्प के संदिग्ध रिसाव के बाद दो फील्ड ऑपरेटरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एमआरपीएल अधिकारियों के अनुसार, अनुभवी ऑपरेटर दीप चंद्र भारतीय और बिजली प्रसाद सुबह करीब आठ बजे एक टैंक के ऊपर संदिग्ध खराबी की जांच करने के लिए चढ़े थे। उन्होंने बताया कि बाद में, दोनों को टैंक के ऊपर बेहोश पाया गया जिसके बाद उन्हें पहले कंपनी की प्राथमिक चिकित्सा इकाई में ले जाया गया और फिर पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां उनकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि तीसरे ऑपरेटर विनायक म्यागेरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। म्यागेरी ने दोनों को बचाने का प्रयास किया था। मंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने कहा कि मृतकों के परिजनों के बयानों के आधार पर मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस आयुक्त रेड्डी ने कहा, प्रारंभिक जानकारी से हाइड्रोजन सल्फाइड गैस का मामूली रिसाव होने का पता चलता है, जिसे कर्मचारियों ने अपनी नियमित ड्यूटी के दौरान टैंक की जांच करते समय सांस के ज़रिए अंदर ले लिया होगा। उन्होंने बताया कि उस समय कर्मचारी मास्क पहने हुए थे। एमआरपीएल की अग्निशमन एवं सुरक्षा टीम ने रिसाव को बंद कर दिया है तथा क्षेत्र को सुरक्षित घोषित कर दिया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान प्रयागराज निवासी दीप चंद्र भारतीय (33) और केरल निवासी बिजिल प्रसाद (33) के रूप में हुई है।

बीआरटी टाइगर रिजर्व के पास तेंदुए का शव मिला, जहर दिये जाने का संदेह

चामराजनगर। कर्नाटक में चामराजनगर स्थित बिलीगिरी रंगनाथ स्वामी मंदिर (बीआरटी) टाइगर रिजर्व के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कोथलावाड़ी गांव के निकट पत्थर खदान में एक तेंदुए का शव मिला है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों को संदेह है कि लगभग पांच से छह साल की आयु के नर तेंदुए को जहर दिया गया था। वन विभाग के अनुसार, बृहस्पतिवार को तेंदुए के शव के पास एक कुत्ता और एक बछड़ा भी मृत पाया गया।

विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच के आधार पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया, 'शव का पोस्टमॉर्टम किया गया है। हमने नमूने एकत्र कर लिए हैं और उन्हें जांच के लिए मैसूर स्थित फोरेंसिक लैब भेज दिया है। रिपोर्ट के आधार पर हम मामले की कार्रवाई करेंगे।'

अब तक 7.22 लाख युवाओं को मिला रोजगार, देश बनेगा मैन्युफैक्चरिंग हब : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने 'रोजगार' के विषय पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'रोजगार मेला' के माध्यम से 10 सालों में 10 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा। इसी के तहत शनिवार को 'रोजगार मेला' से अलग-अलग सेक्टर में नए भर्ती होने वाले उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र बांटे गए हैं। संघीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा नवीनीकृत ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शनिवार को हुब्बल्ली में दक्षिण पश्चिम रेलवे की ओर से आयोजित 'रोजगार मेला' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, मैं ये नहीं कहूंगा कि सब ठीक हो गया है, लेकिन अच्छे से लोगों को रोजगार मिल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, रोजगार मेले से सरकारी कार्यालयों और संस्थानों समेत अलग-अलग सेक्टरों में भर्ती हुए नए उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में यह 16वां रोजगार मेला है और अब तक 7.22 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है। ईपीएफओ में अब तक 23.73 करोड़ नए उम्मीदवारों का पंजीकरण हो चुका है। उन्होंने कहा, रोजगार की दर तेजी से बढ़ रही है। इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्विस सेक्टर और मैन्युफैक्चरिंग पर काम किया जा रहा है। अप्रैल से जून तक सभी आईफोन भारत में ही बनाए गए। आने वाले दिनों में भारत दुनिया के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का केंद्र होगा और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारत एक युवा देश है। देश में युवाओं की संख्या बढ़ रही है। भारत की जनसंख्या लगभग 140 करोड़ है, जो इसे विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बनाती है। नई नौकरियों से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जिससे देश की अर्थव्यवस्था का विकास होगा।

इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 'रोजगार मेले' के माध्यम से 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। ये नव-नियुक्त युवा रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय समावेशन और औद्योगिक विकास समेत कई अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देंगे।

बन्नरघट्टा जैविक उद्यान में बाघ के तीन शावकों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बन्नरघट्टा जैविक उद्यान (बीबीपी) में बाघिन द्वारा जन्म देने के बाद कथित रूप से छोड़ दिए गए उसके तीन शावकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'बाघिन हिमा दास' ने सात जुलाई को तीन शावकों को जन्म दिया, लेकिन जन्म के बाद उसने उनकी देखभाल नहीं की जिसके कारण तीनों शावक घायल हो गए।

बीबीपी के अनुसार, शावकों को गहन चिकित्सा और उनके पालन-पोषण के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। आठ जुलाई को एक नर शावक की मौत हुई, जबकि नौ जुलाई को एक और नर तथा एक मादा शावक की मृत्यु हो गई।बीबीपी ने एक बयान में कहा, पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा पोस्टमॉर्टम किया गया। एक नर शावक की मौत गर्दन की चोट के कारण हुई जो उसकी मां (बाघिन) के पैरों तले दबने से आई थी। दूसरे नर शावक की मौत सिर पर मां द्वारा काटे जाने से हुई जिससे उसके मस्तिष्क में चोट और रक्तस्राव हुआ। मादा शावक की भी मौत दबने की वजह से हुई।

अधिकारियों ने बताया कि इस पूरी घटना की निगरानी सीसीटीवी से की जा रही थी और पशु देखभाल कर्मियों तथा चिकित्सकों ने बाघिन और शावकों की देखभाल में हरसंभव सावधानी बरती। बयान में कहा गया, प्राकृतिक रूप से मां अपने शावकों की देखभाल करती है, लेकिन बंदी अवस्था में कई बार मातृत्व प्रवृत्ति की कमी के कारण वे शावकों को छोड़ देती हैं। ऐसी स्थिति में चिड़ियाघर अस्पताल में उन्हें पाला जाता है। यह घटना एमएम हिल्स के हुय्यम रेंज में 26 जून को एक बाघिन और उसके चार शावकों की मौत के बाद हुई है।

मंगलूरु में मादक पदार्थ की तस्करी के सिलसिले में एक डॉक्टर गिरफ्तार

मंगलूरु। मंगलूरु सिटी पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है, जो स्थानीय नशीले पदार्थ आपूर्ति नेटवर्क की मौजूदा जांच में नौवीं गिरफ्तारी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने बताया कि आरोपी की पहचान प्रज्वल पीन्यास के रूप में की गयी है, जो बीदर जिले के मंगलापेट का मूल निवासी है और फिलहाल बेंगलूरु के केंगेरी के कोडिपल्या में रह रहा है। रेड्डी ने बताया कि प्रज्ज्वल पहले मंगलूरु के एक निजी कॉलेज में मेडिकल का छात्र था और शहर के विभिन्न थानों में उसके खिलाफ मादक पदार्थ से संबंधित तीन मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, नवीनतम मामला दो जुलाई को सिटी सेंट्रल क्राइम' थाने में स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया था। पुलिस आयुक्त का कहना है कि नशा करने वाले स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस को मंगलूरु में कथित तौर पर मादक पदार्थ आपूर्ति करने वाले नौ लोगों के एक नेटवर्क का पता चला था तथा उन सभी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का आरोप है कि प्रज्ज्वल महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश से मादक पदार्थ मंगवाने एवं शहर में उन्हें वितरित करने में अहम भूमिका निभाता था। उसे इस हफ्ते की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया और बृहस्पतिवार को एक अदालत में पेश किया गया, अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि मादक पदार्थ के लेन-देन में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया है।

शिवमोग्गा जेल के कैदी के पेट से मोबाइल फोन निकाला गया, जांच के आदेश

शिवमोग्गा। सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों ने एक कैदी के पेट से उस मोबाइल फोन को निकाला लिया है जिसे उसने निगल लिया था। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। हाल ही में फोन निकाले जाने के बाद अधिकारियों ने इस बात की जांच के आदेश दिए हैं कि यह प्रतिबंधित वस्तु उच्च सुरक्षा वाले जेल में कैसे पहुंची। कैदी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत आपराधिक मामला भी दर्ज किया गया है। दोषी ठहराया गया 30 वर्षीय दौलत उर्फ गुंडा 10 साल की सजा काट रहा है।

उसने 24 जून को पेट दर्द की शिकायत की और जेल के चिकित्साकर्मियों को बताया कि उसने कुछ निगल लिया है। जेल कर्मचारियों ने उसे आगे के इलाज के लिए तुरंत शिवमोगा के सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। चिकित्सकों ने एक्स-रे किया तो पता चला कि उसके पेट में फोन है। कैदी की सहमति प्राप्त करने के बाद शल्य चिकित्सा की गई और लगभग एक इंच चौड़ाई तथा तीन इंच लंबाई वाले फोन को सफलतापूर्वक निकाल लिया गया।

फोन को आठ जुलाई को एक सीलबंद लिफाफे में जेल अधिकारियों को सौंप दिया गया। जेल अधिकारी रंगनाथ पी द्वारा तुंगानगर पुलिस थाने में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें इस बात की विस्तृत जांच की मांग की गई है ताकि पता चल सके कि कैदी ने कड़ी निगरानी के बावजूद जेल के अंदर फोन कैसे मंगा लिया। यह भी आरोप सामने आए हैं कि कुछ जेल कर्मचारियों ने इसमें सहायता की होगी। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

इसरो ने गगनयान के लिए 'सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम' को सफलतापूर्वक विकसित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि उसने 'योग्यता परीक्षण कार्यक्रम'(क्वालिफिकेशन टेस्ट प्रोग्राम) पूरा करने के साथ ही गगनयान मिशन के लिए 'सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम' (एसएमपीएस) को सफलतापूर्वक विकसित कर लिया है।

एसएमपीएस के एकीकृत प्रदर्शन को मान्य करने के लिए 350 सेकंड के लिए एसएमपीएस का पूर्ण अवधि का 'हॉट परीक्षण' आयोजित किया गया। वास्तविक परिस्थिति में किया जाने वाला यह परीक्षण शुक्रवार को सर्विस मॉड्यूल आधारित मिशन निरस्तीकरण की फ्लाइट ऑफ-नॉमिनल मिशन प्रोफाइल' के लिए किया गया।

'फ्लाइट ऑफ-नॉमिनल मिशन प्रोफाइल' का संबंध किसी विमान के उड़ान पथ और उसकी अन्य गतिविधियों से है। गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष यान मिशन है।

इसरो ने एक बयान में कहा, परीक्षण के दौरान प्रणोदन प्रणाली का समग्र प्रदर्शन पूर्व-परीक्षण पूर्वानुमानों के अनुसार सामान्य था। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, गगनयान का सर्विस मॉड्यूल (एसएम) एक विनियमित द्वि-प्रणोदक आधारित प्रणोदन प्रणाली है जो आरोहण चरण के दौरान कक्षा वृत्तीकरण, ऑन-ऑर्बिट नियंत्रण, डी-बूस्ट संचालन और सर्विस मॉड्यूल आधारित निरस्तीकरण के लिए कक्षीय मॉड्यूल की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

इसमें कहा गया है कि तरल एपोजी मोटर (एलएएम) इंजन कक्षा वृत्तीकरण और डी-बूस्ट चरणों के दौरान मुख्य प्रणोदक बल प्रदान करते हैं, जबकि प्रतिक्रियात्मक नियंत्रण प्रणाली (आरसीएस) थ्रस्टर्स सटीक रवैया नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं। कक्षा वृत्तीकरण अंतरिक्ष में किसी वस्तु के प्रक्षेप पथ को समायोजित करने की प्रक्रिया है।

आरओडी जीडीई-3 तकनीकी पाठ्यक्रम से 168 नवप्रशिक्षित पेशेवरों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की सीईडीसीओ बीएसएफ के बीएसएफ संचार एवं आईटी व्यवस्था में नव नामांकित सैनिकों के लिए बेसिक टेक्निकल ट्रेड कोर्स (आरओ जीडीई-3) का सफल समापन हुआ। इस गहन कार्यक्रम में कुल 168 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया, जिसका समापन एक भव्य समापन समारोह के साथ हुआ। इस पाठ्यक्रम में संचार प्रणाली, आईटी, सिफर, नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा, एचएफ/वीएचएफ/यूएचएफ संचार, स्टोर हैंडलिंग, जीईएम, जनरेटर संचालन, मापन उपकरण, रेडियो सेट, बिग डेटा, एआई और ड्रोन/एंटी-ड्रोन तकनीक आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया। इस समारोह में दिनेश कुमार यादव, आईपीएस, महानिरीक्षक सीईडीसीओ बीएसएफ बेंगलूरु ने मुख्य अतिथि के रूप में सभी को प्रेरित किया। उन्होंने अर्जित कौशल के महत्व और भविष्य के करियर पर उनके प्रभाव पर जोर दिया गया। इसके बाद एक रैंक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं के असाधारण प्रदर्शन को सम्मानित किया गया। उन्होंने स्नातकों को हार्दिक बधाई देते हुए इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षकों और कर्मचारियों की हार्दिक सराहना की।

उद्घाटन

शनिवार को बेंगलूरु में ऑन-बोर्ड तकनीक उपकरणों का उद्घाटन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने किया। बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन और कॉन्टिनेंटल इंडिया ऑटोमोटिव कंपनी द्वारा विकसित यह ऑन-बोर्ड तकनीक दृष्टिबाधित लोगों को एक नए तरीके से स्वतंत्र रूप से यात्रा करने में सक्षम बनाएगी।

मैसूरु में पॉक्सो मामले के आरोपी और उसके परिवार पर हमला

मैसूरु। कर्नाटक के मैसूरु में पॉक्सो मामले के एक आरोपी तथा उसके परिवार के सदस्यों पर पीड़ित परिवार ने कथित तौर पर हमला कर दिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना बृहस्पतिवार रात रामानुज रोड पर उस समय हुई जब 38 साल के आरोपी अपनी पत्नी, बहन और मां के साथ मामले के सिलसिले में पुलिस थाने से ऑटो रिक्शा में सवार होकर घर लौट रहा था। उन्होंने बताया कि कथित तौर पर यह घटना सीसीटीवी कैमरों में दर्ज हो गयी और मौके पर मौजूद लोगों ने इसे मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में दिख रहा है कि काले रंग की कार में आए लोगों ने ऑटो रिक्शा को जबरन रुकवाया और फिर उसमें बैठे आरोपी तथा उसके परिवार पर चाकुओं से हमला कर दिया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 38 वर्षीय व्यक्ति पर 2023 में 17 वर्षीय किशोरी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है और उसके खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस हमले में उसके परिवार के सदस्यों को चोटें आईं, जिन्हें बाद में एक अस्पताल में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन गए हैं : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा । भारत के उपराष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ ने आज कहा, कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन चुके हैं। ये सुदृढ़ सांचों में प्रतिभा को जकड़ने वाले काले छिद्र बन गए हैं। कोचिंग सेंटर अनियंत्रित रूप से फैल रहे हैं, जो हमारे युवाओं के लिए, जो कि हमारे भविष्य हैंएक गंभीर संकट बनता जा रहा है। हमें इस चिंताजनक बुराई से निपटना ही होगा। हम अपनी शिक्षा को इस तरह कलंकित और दूषित नहीं होने दे सकते। धनखड़ ने आगे कहा, अब देश किसी सैन्य आक्रमण से नहीं, बल्कि विदेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता से कमजोर और पराधीन होंगे। सेनाएं अब एल्गोरिद्म में बदल गई हैं। संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा।

उपराष्ट्रपति ने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार बताते हुए कहा, हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैंएक नए राष्ट्रवाद के युग में। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। हमें तकनीकी नेतृत्व में वैश्विक अगुवा बनना होगा। धनखड़ ने रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात-निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यदि हम रक्षा के क्षेत्र में बाहर से तकनीकी उपकरण प्राप्त करते हैं, तो वह देश हमें ठहराव की स्थिति में ला सकता है। डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (खखखढ), कोटा, राजस्थान के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए धनखड़ ने कहा, हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञानदान में विश्वास रखते आए हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। मैं नागरिक समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूं कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में पुनर्संयम लाने हेतु एकजुट हों। हमें कौशल आधारित कोचिंग की आवश्यकता है।

धनखड़ ने अंकों की होड़ के दुष्परिणामों पर चेताते हुए कहा, पूर्णांक और मानकीकरण के प्रति जुनून ने जिज्ञासा को खत्म कर दिया है, जो कि मानव बुद्धिमत्ता का एक स्वाभाविक अंग है। सीटें सीमित हैं लेकिन कोचिंग सेंटर हर जगह फैले हुए हैं। वे वर्षों तक छात्रों के मन को एक ही ढर्रे में ढालते हैं, जिससे उनकी सोचने की शक्ति अवरुद्ध हो जाती है। इससे कई मनोवैज्ञानिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

छात्रों को अंकों से ऊपर सोचने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा, आपकी मार्कशीट और अंक आपको परिभाषित नहीं करेंगे। प्रतिस्पर्धी दुनिया में प्रवेश करते समय, आपका ज्ञान और सोचने की क्षमता ही आपको परिभाषित करेगी। डिजिटल क्षेत्र की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, एक स्मार्ट ऐप जो ग्रामीण भारत में काम नहीं करता, वह पर्याप्त स्मार्ट नहीं है। एक एआई मॉडल जो क्षेत्रीय भाषाओं को नहीं समझता, वह अधूरा है। एक डिजिटल उपकरण जो दिव्यांगों को शामिल नहीं करता, वह अन्यायपूर्ण है। युवाओं से स्थानीय समाधान को वैश्विक स्तर तक ले जाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, भारत के युवाओं को टेक्नोलॉजी की दुनिया के सजग संरक्षक बनना चाहिए। हमें भारत के लिए भारतीय प्रणालियां बनानी होंगी और उन्हें वैश्विक बनाना होगा।

डिजिटल आत्मनिर्भरता में भारत को अग्रणी बनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, हमें अपनी डिजिटल नियति के निर्माता बनना होगा और अन्य देशों की नियति को भी प्रभावित करना होगा। हमारे कोडर, डेटा वैज्ञानिक, ब्लॉकचेन इनोवेटर और एआई इंजीनियर आज के राष्ट्र निर्माता हैं। भारत, जो कभी वैश्विक अग्रणी था, अब केवल उधार की तकनीक का उपयोगकर्ता बनकर नहीं रह सकता। पहले हमें तकनीक के लिए वर्षों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। अब यह समय सप्ताहों में सिमट गया है। हमें तकनीक का निर्यातक बनना चाहिए।

धनखड़ ने शिक्षा को फैक्टरी की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा, हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए अत्यंत खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के विपरीत हैं। यह विकास और प्रगति में बाधाएं उत्पन्न करता है।

उन्होंने कोचिंग सेंटरों द्वारा विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना करते हुए कहा, अखबारों में विज्ञापनों और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है जो या तो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। यह धन का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगें, पर हमारी सभ्यतागत आत्मा के लिए आँखों की किरकिरी बन गए हैं।

अपने उद्बोधन का समापन करते हुए उपराष्ट्रपति ने रटंत शिक्षा की संस्कृति की तीव्र आलोचना की: हम आज रट्टा मारने की संस्कृति के संकट से जूझ रहे हैं, जिसने जीवंत मस्तिष्कों को केवल अस्थायी जानकारी के यंत्रवत भंडारों में बदल दिया है। इसमें न तो कोई आत्मसात है, न कोई समझ। यह रचनात्मक विचारकों की बजाय बौद्धिक 'ज़ॉम्बी' तैयार कर रहा है। रट्टा ज्ञान नहीं देता, केवल स्मृति देता है। यह डिग्रियों को गहराई के बिना जोड़ता है।

बासनपीर पथराव मामले में 23 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में बासनपीर गांव में पुरानी छतरियों के पुनर्निर्माण और मरम्मत कार्य के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर हुए पथराव और मारपीट के मामले में मुख्य षडयंत्रकर्ता हासम खां सहित 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने शुक्रवार को बताया कि मामले की गंभीरता के मद्देनजर पुलिस की विशेष टीमों का गठन थानाधिकारी कोतवाली प्रेमदान और थानाधिकारी सदर बगड़राम ने त्वरित अनुसंधान करते हुए मुख्य षडयंत्रकर्ता हासम खां सहित 23 आरोपियों को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हासमखां ने उच्च अधिकारियों को गुमराह कर इस पूरी घटना को अंजाम दिया था। पुलिस फिलहाल सभी गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है वहीं घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए वृताधिकारी वृत जैसलमेर के नेतृत्व में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में गिरफ्तार लोगों में हासमखां के अलावा मरवत, (35), सुमरि (19), तीजा (35), हुरा (30), हसीना (25), ईतिया (30), ईस्लाम खां (20), जाकिर खां (28), बद्धें खान (25), सुभान खां (70), बसीर खां (27), राणे खां (50), आसीन खांन (23), इमामत (22), मदीना (31), जामा (24), बिस्मिला (30), अनीमत (50), बिस्मिल्ला पत्नी सादक खां (24), असीयत (55), नजीरां (20) और हसीना पत्नी हलीम खां (30) शामिल हैं।

इनमें अधिकांश बासनपीर जूनी, पुलिस थाना सदर, जैसलमेर के निवासी हैं जबकि आसीन खान फलौदी जिले के भोजाकोर का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि मामले में अनुसंधान जारी है और जल्द ही शेष आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मानसून की बारिश का दौर जारी

जयपुर। राजस्थान में मानसून की बारिश का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में अनेक स्थानों पर हल्की से भारी वर्षा दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक चौबीस घंटे के दौरान अनेक जगह बारिश हुई।

सर्वाधिक बारिश सांभर (जयपुर) में 87 मिलीमीटर दर्ज की गई। वहीं, इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान जैसलमेर में 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र ने कहा कि पूर्वी राजस्थान के अधिकतर भागों में आगामी दो सप्ताह के दौरान मानसून सक्रिय रहने तथा औसत से अधिक बारिश होने की संभावना है। इसने कहा कि इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के अधिकतर भागों में भी आगामी एक सप्ताह में मानसून सक्रिय रहने तथा सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है।

मोदी के नेतृत्व में देश में बनी पारदर्शी व्यवस्था : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक पारदर्शी व्यवस्था बनी है और गत 11 साल में देश 2 ट्रिलियन डॉलर से 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला बना है और दुनिया में तीसरे पायदान पर जाने की तैयारी के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। शेखावत शनिवार को यहां 16वें रोजगार मेले के अवसर पर डा संपूर्णानंद मेडिकल कॉलेज रेजिडेंसी रोड में आयोजित समारोह में यह बात कही।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री हमेशा कहते हैं कि व्यक्ति के जीवन में विद्यार्थी भाव हमेशा बना रहना चाहिए। हमने बहुत कुछ सीखा, हमने पढ़ाई की, हमने बेहतर प्रदर्शन किया और प्रतियोगिता परीक्षा में भी अपने आप को श्रेष्ठ सिद्ध किया, तब जाकर यह मुकाम हासिल किया। शेखावत ने कहा कि भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा

में निरंतर आगे बढ़ रहा है। सामान्य मानवी के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए मोदी सरकार अनेक योजनाएं चला रही है, जिनके चलते 30 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल चुके हैं।

उन्होंने कहा ''वर्ष 2013 में हम दुनिया की 11वीं और 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हुआ करते थे लेकिन पिछले 11 सालों में न केवल हम 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन चुके हैं, बल्कि हम तीसरे पायदान पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण रोजगार के अवसर बने हैं। सरकारी क्षेत्र में बढ़ी संख्या में रोजगार दिए जा रहे हैं। इकोनॉमिक ग्रोथ के कारण प्राइवेट सेक्टर में बहुत अवसर बन रहे हैं।

45 करोड़ से ज्यादा युवा मुद्रा लोन के माध्यम से स्वरोजगार प्रारंभ कर चुके हैं। शेखावत ने कहा कि वर्ष 2014 में जब देश ने मोदी को प्रधानमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया था, उस समय देश में उंगलियों पर गिने जाने वाले स्टार्टअप थे। स्टार्टअप के लिए नया वातावरण तैयार होने के चलते भारत में दुनिया का तीसरा बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बना है। 1.70 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स भारत में काम कर रहे हैं। भारत में एक बिलियन डॉलर वाले यूनिकॉर्न की संख्या 125 से अधिक है, जो दुनिया में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि यह वही राजस्थान है जहां नौकरी के लिए परीक्षा होती थी, परीक्षा पूरी नहीं होती थी, उससे पहले उस परीक्षा में घोटाले के समाचार आ जाते थे। उसकी जांच प्रारंभ हो जाती थी।एक परीक्षा तीन-तीन बार होती थी और कई परीक्षाओं की जांच अभी तक चल रही है। उन्होंने कहा कि देश में ईमानदारी के साथ परीक्षा हो और हर ऐसे व्यक्ति को, जो योग्य है, उसे बिना किसी पक्षपात के नौकरी मिले, यह मोदी के नेतृत्व में सुनिश्चित हुआ है। इसके अतिरिक्त एक स्तर तक होने वाले इंटरव्यू के खेल को भी समाप्त किया गया है।

पुराने समय को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब हम छात्र थे। गांव से पढ़ने के लिए यहां आते थे। अपने प्रमाण पत्रों को प्रमाणित करने के लिए अधिकारियों के पास जाना होता था। तब राजेंद्र गहलोत विधायक होते थे।

इनके और अधिकारियों से गुहार लगानी पड़ती थी लेकिन उसकी आज आवश्यकता नहीं है। हमारे युवाओं पर देश का सिस्टम भरोसा करे, यह परिवर्तन प्रधानमंत्री लेकर आए हैं। आज युवा खुद अपने प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर कर जमा करा देते हैं। मोदी ने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती हुए नवनियुक्त करीब 51 हजार कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए और जोधपुर में 200 युवाओं को नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

केंद्र, राज्य सरकार युवा कल्याण के लिए संकल्पबद्ध : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवा कल्याण के लिए संकल्पबद्ध है। मेघवाल शनिवार को राजस्थान में बीकानेर में जनसंपर्क अधिकारियों के संगठन 'प्रसार' और 'निर्विकल्प फाउंडेशन' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले 'राज्य स्तरीय युवा संपर्क अभियान' के पोस्टर का विमोचन करने के बाद सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए सरकार की कई योजनायें संचालित की जा रही हैं।

प्रसार और निर्विकल्प द्वारा इन्हें युवाओं तक पहुंचाई जाने की पहल सराहनीय है। कार्यक्रम में 'प्रसार' के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हरिशंकर आचार्य ने बताया कि प्रसार द्वारा निर्विकल्प फाउंडेशन के सहयोग से पहले चरण में राज्य के 11 जिलों में युवा संकल्प कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

इसमें रोजगार, उद्योग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी) सहित विभिन्न विभागों की भागीदारी रहेगी। युवाओं को योजनाओं से सम्बंधित जानकारी दी जाएगी और आवश्यक आवेदन मौके पर करवाये जायेंगे। निर्विकल्प फाउंडेशन के निदेशक डॉ. चंद्रशेखर श्रीमाली ने बताया कि युवा संकल्प अभियान के दौरान योजनाओं के प्रचार-प्रचार के साथ कौशल विकास, करियर मार्गदर्शन, मौके पर नियुक्ति, वित्तीय साक्षरता और निवेश की जानकारी भी दी जाएगी।

पश्चिमी राजस्थान में सौर ऊर्जा की संभावनायें और रोजगार की जानकारी दी जायेगी। इसके लिए विशेषज्ञों का दल तैयार किया गया है। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की संयुक्त निदेशक एल डी पंवार, डॉ. सत्य प्रकाश आचार्य, चंपालाल गेदर, अशोक बोबरवाल, पंकज अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

'सहकार से समृद्धि' की भावना के साथ कमजोर वर्ग को सशक्त बना रही राज्य सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अन्त्योदय के संकल्प को साकार करने में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। सहकारिता के महत्व के दृष्टिगत संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2025 को अन्तरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। राज्य सरकार 'सहकार से समृद्धि' की भावना के साथ समाज के कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सहकारिता विभाग ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

राज्य में नई सरकार के गठन से लेकर 30 जून, 2025 तक केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा 75.52 लाख किसानों को लगभग 42 हजार 131 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किये गए हैं। वर्ष 2025-26 में 35 लाख कृषकों को 25 हजार करोड़ रुपये के अल्पकालीन ऋण वितरित किये जाने का राज्य बजट में प्रावधान किया गया है। वहीं केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा उक्त अवधि में 805 करोड़ रुपये से अधिक के मध्यकालीन ऋण

वितरित किये गए हैं। राजस्थान राज्य सहकारी बैंक एवं प्राथमिक भूमि विकास बैंकों द्वारा इस दौरान लगभग 232 करोड़ रुपये के दीर्घकालीन ऋण वितरित किये गए हैं। इसी प्रकार, राज्य में नवीन सहकारी समितियों का गठन बड़े स्तर पर किया जा रहा है। जून, 2025 तक 216 नये पैक्स, 97 नये लैम्प्स और 313 नवीन ग्राम सेवा सहकारी समितियों का गठन किया गया है। राज्य बजट 2025-26 में आगामी दो वर्षों में शेष रही समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन का प्रावधान किया गया है। इसके लिए समिति गठन के प्रावधानों में शिथिलता दी गई है। उक्त अवधि के दौरान 412 कस्टम हायरिंग सेंटर्स की स्थापना की गई है। वहीं, ग्राम सेवा सहकारी समितियों में 212 नये गोदामों का निर्माण किया गया है। इस अवधि में नये गोदामों के निर्माण पर लगभग 28 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई है।

राज्य सरकार ने विभिन्न नई योजनाएं लागू कर किसानों और पशुपालकों को सशक्त बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। बजट वर्ष 2024-25 में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को 6000 रुपये के अतिरिक्त 2000 रुपये दिए जाने के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का प्रावधान किया। योजना के तहत 30 जून, 2024 को 65 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 1000 रुपये प्रति कृषक के अनुसार कुल 653 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। योजना की दूसरी और तीसरी किश्त 70.21 लाख किसानों को 1000 रुपये प्रति कृषक के अनुसार कुल 702.18 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। राज्य सरकार ने बजट वर्ष 2025-26 में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत दी जाने वाली वार्षिक वित्तीय सहायता राशि 2000 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये कर दी है।

चूरू में क्रैश हुए जगुआर फाइटर जेट का ब्लैक बॉक्स बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चूरू । राजस्थान के चूरू जिले में 9 जुलाई (बुधवार) को क्रैश हुए भारतीय वायुसेना के जगुआर फाइटर जेट का ब्लैक बॉक्स आखिरकार बरामद कर लिया गया है। हादसे के बाद से लगातार चल रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान यह बड़ी सफलता मिली है। यह जगुआर फाइटर जेट चूरू जिले के भानुदा और सिकराली रोही गांवों के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान हादसे के बाद से ही वायु सेना ने व्यापक स्तर पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर रखा था, जिसमें दिल्ली, गुजरात और सूरतगढ़ एयरबेस की टीमें जुटी थीं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और वायुसेना की संयुक्त टीमें मौके पर पहुंची थीं और कोम्बिंग सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। टीम ने जेट के आगे-पीछे के रूट पर बारीकी से सर्च ऑपरेशन चलाया और ब्लैक बॉक्स तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की।

बता दें कि राजस्थान के चूरू जिले के रतनगढ़ तहसील में बुधवार दोपहर करीब 1:25 बजे भारतीय वायुसेना का एक जगुआर फाइटर जेट क्रैश हो गया था। इस हादसे में सेना के दोनों पायलट शहीद हो गए थे। जानकारी के अनुसार, यह विमान सूरतगढ़ बेस से उड़ान भरने के बाद भनोदा गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

बता दें, यह इस साल का तीसरा जगुआर विमान हादसा है। इससे पहले, 2 अप्रैल को भी गुजरात के जामनगर के पास भारतीय वायुसेना का जगुआर प्लेन क्रैश हो गया था। वहीं अंबाला के पास 7 मार्च को भी वायुसेना का डीप पेनिट्रेशन स्ट्राइक एयरक्राफ्ट जगुआर हादसे का शिकार हो गया था। वायुसेना के बेड़े में करीब 121 जगुआर विमान हैं, जिन्हें 2031 तक चरणबद्ध तरीके से हटाने और उनकी जगह एचएएल तेजस एमके1ए जैसे आधुनिक विमानों को शामिल करने की योजना है। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय प्रशासन और सेना के अधिकारी मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं।

राजस्थान बनेगा हरित प्रदेश, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान से जुड़ रहा हर प्रदेशवासी : पटेल

जोधपुर। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम राजकीय दंत महाविद्यालय जोधपुर के परिसर में शनिवार को संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और शहर विधायक अतुल भंसाली के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान हरित प्रदेश बनेगा और हर प्रदेशवासी मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा प्रदेश में गत वर्ष 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' के तहत 7 करोड़ पौधे लगाए गए थे,इस वर्ष हर परिवार को जोड़ते हुए 10 करोड़ पौधे लगाने एवं पालने का लक्ष्य रखा है। पटेल ने कहा कि मानव जीवन में जन्म से लेकर मृत्यु तक पेड़ों का महत्व सर्वविदित है। वृक्षों के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमारी सनातन संस्कृति में पेड़ों को भगवान मान कर पूजा जाता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भी सनातन संस्कृति को हरयाळो राजस्थान कार्यक्रम के माध्यम से आगे बढ़ाने का काम कर रही है। शहर विधायक भंसाली ने कहा वृक्ष हमारे पर्यावरण को स्वच्छ रखते हैं और जलवायु संकट एवं बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए वृक्षारोपण और वृक्षों का संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा भावी पीढ़ी के लिए अधिकाधिक वृक्ष लगाएं।

उत्तर प्रदेश में 14 लाख से अधिक गोवंश की हो रही देखभाल : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि किसान की समृद्धि के बिना खुशहाली नहीं आ सकती और भारत में कृषि तथा पशुधन एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश सरकार की गौशालाओं या सरकार से सहायता प्राप्त पशुपालकों द्वारा 14 लाख से अधिक गोवंशों की देखभाल की जा रही है।

योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'भारत में पशु नस्लों का विकास' कार्यशाला का उद्घाटन किया जिसमें उन्होंने गोरखपुर के कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण संस्थान और पशुपालन अवसंरचना विकास निधि के तहत प्रदेश में तीन परियोजनाओं (अमेठी, बरेली और मथुरा) का बटन दबाकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने खुरपका-मुंहपका रोग का जिक्र करते हुए कहा कि पशुधन को खुरपका-मुंहपका रोग मुक्त बनाकर पशुपालकों के जीवन में खुशहाली लाने में सरकार योगदान करेगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन लोगों ने स्थानीय स्तर पर देसी पद्धतियों से नस्ल सुधार के प्रयास किए, उन्होंने अच्छी नस्ल बढ़ाने में सफलता प्राप्त की और जो लोग प्रयास नहीं कर पाए, वहां पशुधन काफी पिछड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पशुओं की बहुत सारी स्थानीय नस्लें लुप्तप्राय हैं यदि उन पर ध्यान दिया जाए तो पशुपालकों को स्थायी समृद्ध निधि दी जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार का धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रदेश में झांसी के बलिनी, गोरखपुर, आगरा, काशी समेत पांच दुग्ध उत्पादक संघ कार्यरत हैं जिनसे लाखों महिलाएं जुड़ी हैं। दुग्ध संग्रह कर उसके मूल्यवर्धन से किसानों और पशुपालकों के जीवन में खुशहाली लाने में योगदान दिया जा सकता है।

सीतारमण ने विकास के साथ पारिस्थितिकी के संरक्षण को संतुलित करने की आवश्यकता बताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलॉंग/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को विशेष रूप से मेघालय जैसे क्षेत्रों में विकास की आकांक्षाओं के साथ पारिस्थितिकी के संरक्षण को संतुलित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने यहां एक संवाद सत्र में स्वीकार किया कि जलवायु संकट इस हद तक बढ़ गया है कि सर्वोत्तम मौसम विज्ञान उपकरण भी मौसम का सटीक पूर्वानुमान नहीं कर सकते।

वित्त मंत्री ने कहा, ''मौसमी घटनाएं आम बात हो गई हैं। अचानक बाढ़ आना, और पहले कई महीनों तक होने वाली बारिश अब एक ही दिन में हो रही है, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है।'' ग्रामीण और वन क्षेत्रों में बदलाव की ओर इशारा करते हुए, उन्होंने आधुनिक बुनियादी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया। निर्मला ने कहा, ''हमें कनेक्टिविटी के लिए ऑप्टिकल फाइबर और डिजिटल उपकरणों के माध्यम से वैश्विक पहुंच की आवश्यकता है ताकि कारीगर और किसान अपने उत्पादों का विपणन कर सकें। इसका अर्थ है उन क्षेत्रों में विस्तार करना जो सहस्राब्दियों से हरे-भरे रहे हैं।'' पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में विकास कार्य से जुड़े फैसले स्थानीय स्तर पर लिए जाने चाहिए।

ओडिशा सरकार श्री जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को लेकर लोगों को भ्रमित कर रही : बीजद

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की मुख्य विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने शनिवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर पुरी स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की बहुप्रतीक्षित सूची के बारे में लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। बीजद प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने यह आरोप तब लगाया जब कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि भगवान के खजाने की सूची बनाने का काम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दो विशेषज्ञों की नियुक्ति किये जाने के बाद किया जाएगा। दूसरी ओर, मंत्री ने कहा कि भगवान के रत्नभंडार में मौजूद वस्तुओं की सूची बनाने की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है, तथा राज्य सरकार ने आरबीआई प्राधिकारियों को पत्र लिखकर प्रासंगिक अनुभव वाले दो विशेषज्ञों को नियुक्त करने के लिये कहा है। मंत्री ने कहा, ''मंदिर परिसर में एक अस्थायी कोषागार में रखी भगवान की कीमती वस्तुओं को अब मरम्मत और संरक्षण कार्य पूरा होने के बाद रत्न भंडार में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

भाजपा के बाजार में बिजली विभाग बिकेगा और जनता की जेब पर डाका पड़ेगा : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा के बाजार में अब बिजली विभाग बिकेगा और जनता की जेब पर डाका पड़ेगा। सपा मुख्यालय की ओर से जारी एक बयान में पार्टी प्रमुख यादव ने कहा कि भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के बाजार में अब बिजली विभाग बिकेगा और जनता की जेब पर निजी कंपनियों के भारी भरकम बिल डाका डालेंगे।

यादव ने कहा, भाजपा के राज में बिजली उत्पादन और वितरण में कोई तरक्की नहीं हुई है, जब जनता विरोध करती है तो भाजपा के लोगों को कोई जवाब देते नहीं बनता, सबकी बत्ती गुल हो जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। यादव ने दावा किया कि भाजपा सरकार के नौ साल के कार्यकाल में एक भी यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं बढ़ा है, केवल बिजली का बिल बढ़ाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश में बिजली को लेकर हाहाकार है, प्रदेश भर में बिजली की अघोषित कटौती हो रही है। धान की रोपाई का समय चल रहा है, लेकिन किसानों को बिजली नहीं मिल रही है।

कांग्रेस ने बिहार में 'बिगड़ती' कानून-व्यवस्था के लिए मोदी और शाह को जिम्मेदार बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में कथित तौर पर बिगड़ती कानून-व्यवस्था के लिए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य में प्रशासन को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं।

कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए आगाह किया कि अगर निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बावजूद आधार कार्ड और राशन कार्ड को चुनावी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची में शामिल नहीं किया तो पार्टी नया आंदोलन शुरू करेगी। हाल ही में राज्य में गंभीर अपराधों में हुई वृद्धि पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर अल्लावरु ने कहा, ''मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य में प्रशासन को नियंत्रित नहीं करते। यहां नरेन्द्र मोदी और अमित शाह का शासन चलता है। इसलिए, बिहार को भारत की अपराध राजधानी बनाने के लिए इन दोनों लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''उच्चतम न्यायालय की ओर से यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि आधार कार्ड और राशन कार्ड को स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची में शामिल किया जाना चाहिए, हम जारी एसआईआर प्रक्रिया पर कड़ी नजर रख रहे हैं। अगर निर्वाचन आयोग समय रहते जरूरी कार्रवाई नहीं करता है... तो हम फिर से सड़कों पर उतरेंगे।''

आंध्र प्रदेश में घटती प्रजनन क्षमता से निपटने के लिए नीति आएगी : मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि राज्य सरकार घटती प्रजनन दर और जनसांख्यिकीय असंतुलन से निपटने के लिए जल्द ही एक नई नीति की रूपरेखा पेश करेगी। विश्व जनसंख्या दिवस पर शुक्रवार को अमरावती शिखर सम्मेलन में नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि जनसंख्या को राज्य की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत माना जाना चाहिए, न कि बोझ।

शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा, जनसंख्या देश की सबसे मजबूत आर्थिक संपत्ति है। जनसंख्या वृद्धि पर एक मजबूत नीति जल्द ही पेश की जाएगी। उन्होंने कहा कि बढ़ते खर्च के कारण युवा दंपती बच्चे पैदा करने से कतरा रहे हैं, जबकि भविष्य में संसद की सीटें बढ़ सकती हैं, लेकिन दक्षिणी राज्यों में प्रतिनिधित्व कम हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के अपने पहले के प्रयासों को याद किया और कहा कि आज की जनसांख्यिकीय प्रवृत्तियों के कारण जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण के बजाय प्रबंधन पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है।

नायडू ने कहा, 2004 से पहले, मुख्यमंत्री के तौर पर मैंने परिवार नियोजन को प्रोत्साहित किया था। हमने एक कानून भी बनाया था जिसके तहत दो से ज्यादा बच्चे वालों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि आज कानून में संशोधन की आवश्यकता है ताकि दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को भी चुनाव लड़ने की अनुमति मिल सके। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र केवल उसकी भूमि, क्षेत्रों, कस्बों या सीमाओं के बारे में नहीं है, यह उसके लोगों के बारे में है।

नायडू ने कहा कि जहां विकसित देश वृद्ध होती आबादी से जूझ रहे हैं, वहीं भारत का युवा आबादी का लाभ बरकरार है, हालांकि जब तक सुधारात्मक नीतियां शीघ्रता से नहीं अपनाई जातीं, इसकी गारंटी नहीं है। शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा, हमारी युवा आबादी घट रही है, जबकि बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है। मानव संसाधन संकट से बचने के लिए हमें बड़े परिवारों को प्रोत्साहित करना होगा।

चुनावी राजनीति से ब्रेक लेना चाहता हूं : केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के वरिष्ठ आदिवासी नेता और केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल उरांव ने शनिवार को कहा कि वह युवा पीढ़ी को मौका देने के लिए चुनावी राजनीति से ब्रेक लेना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी कैबिनेट के सदस्य उरांव ने संबलपुर में 'नियुक्ति मेला' समारोह में भाग लेते हुए यह बात कही। मंत्री ने कहा कि वह भविष्य में सांसद या विधायक पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगे। उरांव ने समारोह के बाद पत्रकारों से कहा, मैंने पिछले चुनाव के दौरान ही स्पष्ट कर दिया था कि मैं फिर कभी लोकसभा या विधानसभा सीट से चुनाव नहीं लड़ंगा। अब समय आ गया है कि युवा पीढ़ी के लिए सीट खाली कर दी जाए। मैं पहले ही 10 बार प्रत्यक्ष चुनाव लड़ चुका हूं।

झारखंड: माओवादियों के पांच बंकर ध्वस्त, दो आईईडी बरामद

चाईबासा/भाषा। झारखंड में पश्चिमी सिंहभूम जिले के एक वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने माओवादियों के पांच बंकरों को ध्वस्त कर दिया और उनके द्वारा लगाए गए दो परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने एक बयान में कहा कि सुरक्षाबलों को जानकारी मिली थी कि माओवादियों ने नक्सल रोधी कार्रवाई को बाधित करने के लिए छोटानागरा क्षेत्र के जंगलों में बड़ी मात्रा में विस्फोटक छिपाए हैं, जिसके आधार पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा, ''शुक्रवार को अभियान के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने दो आईईडी बरामद किए और माओवादियों के पांच बंकरों को ध्वस्त कर दिया।'' पुलिस अधीक्षक ने बताया कि टीम ने बंकरों से डेटोनेटर और तीर बम सहित अन्य सामान भी बरामद किया। बयान में कहा गया कि बम निरोधक दस्ते ने सभी विस्फोटकों को मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया।

रीढ़ की हड्डी की सफल सर्जरी के बाद ओडिशा लौटे नवीन पटनायक

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक मुंबई में रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के बाद पूरी तरह स्वस्थ होकर शनिवार को भुवनेश्वर लौट आए। बीजद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा ने बताया कि पटनायक का विशेष विमान अपराह्न करीब दो बजे बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। मिश्रा ने बताया कि पटनायक 21 दिन के बाद ओडिशा लौटे हैं। ओडिशा के पांच बार मुख्यमंत्री रह चुके पटनायक का पार्टी कार्यकर्ताओं ने औपचारिक स्वागत किया, जो सुबह से ही हवाई अड्डे पर इंतजार कर रहे थे। जैसे ही पटनायक हवाई अड्डे से बाहर निकले, जय जगन्नाथ का नारा गूंज उठा। हाथों में तख्तियां और बीजद के झंडे लिए हजारों लोग अपने नेता का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे से नवीन निवास तक जाने वाली सड़क के दोनों ओर खड़े थे। पटनायक ने हवाई अड्डे पर मौजूद लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता पटनायक 20 जून को मुंबई के लिए रवाना हुए थे और 22 जून को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में 'सर्वाइकल अर्थराइटिस' के लिए रीढ़ की सर्जरी कराई थी। दो दिन तक निगरानी में रखे जाने के बाद उन्हें गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) से एक निजी कमरे में स्थानांतरित कर दिया गया और सात जुलाई को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

खांडू ने अरुणाचल में स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नामसाई (अरुणाचल प्रदेश)/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा उनकी सरकार की दो शीर्ष प्राथमिकताएं हैं।

नामसाई जिला अस्पताल की नवनिर्मित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) इकाई का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में जनशक्ति की कमी को दूर करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में एक हजार से अधिक पद पहले ही सृजित किए जा चुके हैं और भर्ती के विभिन्न चरणों में हैं, जबकि महत्वपूर्ण रिक्तियों को भरने के लिए प्रयास जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नामसाई में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत एक नया चिकित्सा कॉलेज बनाया जा रहा है तथा उपमुख्यमंत्री चौना मीन इस क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली सुविधा सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष संस्थानों के साथ विचार-विमर्श कर रहे हैं। खांडू ने कहा, ''सरकार चाहती है कि नामसाई में प्रथम श्रेणी का चिकित्सा कॉलेज स्थापित किया जाए, ताकि राज्य के पूर्वी जिलों के युवाओं की आकांक्षाएं पूरी हो सकें।'' अस्पताल के अपने दौरे के दौरान खांडू ने मरीजों को फलों की टोकरियां वितरित कीं और चिकित्सा कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''पिछले तीन वर्षों में, हमने राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में जनशक्ति की कमी को दूर कर लिया है, लेकिन चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। विभाग स्थिति से अवगत है और चुनौतियों से निपटने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।''

मिज़ोरम : असम राइफल्स ने 112.40 करोड़ रुपए की 'मेथ' गोलियां जब्त कीं

आइजोल/भाषा। असम राइफल्स के जवानों ने म्यांमा सीमा के पास मिजोरम के चम्फाई जिले से 112.40 करोड़ रुपए मूल्य की 'मेथ' गोलियों की एक बड़ी खेप जब्त की है। अर्द्धसैनिक बल द्वारा शनिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। 'मेथाम्फेटामाइन' एक प्रकार की उत्तेजक दवा है जिसका दुरुपयोग अक्सर नशा करने के लिए किया जाता है।

बयान के अनुसार, शुक्रवार को गश्त के दौरान असम राइफल्स के जवानों ने दो व्यक्तियों को म्यांमा सीमा के निकट जोखावथर गांव में एक थैला ले जाते हुए देखा। इसमें कहा गया है कि थैले की जांच करने पर असम राइफल्स के जवानों ने 'मेथाम्फेटामाइन' की 3.33 लाख गोलियां बरामद कीं।

चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश में पुलिस की मदद से विरोधियों का दमन कर रहे : जगन मोहन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पुलिस बल का दुरुपयोग कर विरोधियों का दमन कर रहे हैं ताकि तानाशाही जैसा माहौल बनाया जा सके।

पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य के अपने दौरे के दौरान कथित तौर पर सामने आए कई उदाहरणों का हवाला देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''सवाल करने, विरोध करने और एकत्र होने का अधिकार लोकतंत्र का आधार है, जो नागरिकों को अपनी शिकायतें स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने और जवाबदेही की मांग करने का अधिकार देता है।''

जगन ने कहा, ''हालांकि, आंध्र प्रदेश में इस मौलिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया को चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाले सत्तावादी शासन के दबाव में बेरहमी से कुचला जा रहा है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि जनता या विपक्ष द्वारा वैध चिंताओं को उठाने के हर प्रयास का दमन किया जाता है, उनका उत्पीड़न होता है और उन्हें मनमाने कानूनी मामलों का सामना करना पड़ता है। इससे असहमति के लिए कोई जगह नहीं बचती है।

विपक्षी नेता के मुताबिक लोकतांत्रिक स्वतंत्रता पर कथित तौर पर जानबूझकर किया गया यह हमला राज्य में लोकतंत्र के मूल तत्व पर हमला है।

जगन ने 19 फरवरी को गुंटूर मिर्ची यार्ड, आठ अप्रैल को रामागिरी, 11 जून को पोडिली, 18 जून को सत्तेनापल्ली और नौ जुलाई को बंगारूपालयम के अपने दौरे और उसके बाद सरकार की कार्रवाई का हवाला देते हुए कहा कि इरादा स्पष्ट है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष, जनता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के व्यवस्थित दमन पर आमादा है।

जगन के मुताबिक, मिर्च किसानों को उचित मूल्य दिलाने के मुद्दे पर वह गुंटूर मिर्ची यार्ड के दौरे पर गए थे और उस दौरान मामला दर्ज किया गया था।

इसी तरह की कार्रवाई रामगिरी दौरे के दौरान भी की गई, जब वह वाईएसआरसीपी बीसी नेता कुरुबा लिंगमैया के परिवार को सांत्वना देने गए थे, जिनकी कथित तौर पर सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा)के समर्थकों ने हत्या कर दी थी।

जगन के आरोपों पर चंद्र बाबू नायडू नीत तेदेपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वेंगसरकर के बाद लॉर्ड्स में एक से ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बने राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल शनिवार को मध्यक्रम के दिग्गज खिलाड़ी दिलीप वेंगसरकर के बाद लॉर्ड्स में एक से ज्यादा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए। राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन लंच ब्रेक के तुरंत बाद जोफ्रा आर्चर की गेंद पर कवर्स में एक रन लेकर यह उपलब्धि हासिल की।

हालांकि राहुल तिहरे अंक तक पहुंचने के तुरंत बाद ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की गेंद पर आउट हो गए। यह खेल के पारंपरिक प्रारूप में कुल मिलाकर उनका 10वां और विदेशी धरती पर नौवां शतक था। कर्नाटक के इस खिलाड़ी ने 177 गेंद में 13 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। लीड्स में शृंखला के पहले मैच में शतक लगाने के बाद मौजूदा पांच मैचों की शृंखला में यह उनका दूसरा शतक है।

राहुल ने क्रीज पर कुछ शानदार ड्राइव और फ्लिक खेले। वेंगसरकर ने 1979, 1982 और 1986 में लॉर्ड्स में तीन शतक लगाए हैं। राहुल और वेंगसरकर सहित 10 भारतीय लॉर्ड्स में 'ऑनर्स बोर्ड' पर जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। वेंगसरकर क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले इस प्रतिष्ठित स्थल पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। राहुल ने इस स्थल पर पहला शतक 2021 में लगाया था जब उन्होंने भारत की 151 रन की जीत में 129 रन बनाए थे। शृंखला अभी 1-1 से बराबर है।

सुविचार

अपने आत्मविश्वास को हमेशा ऊँचा रखें, क्योंकि यही आपकी असली ताकत है।

ट्वीट

बीकानेर प्रवास के दौरान प्रसिद्ध माता वैष्णो धाम पहुंचकर माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा 1 लाख 11 हजार रुद्राक्षों का विधिपूर्वक अभिषेक संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर देश एवं समाज के सुख, समृद्धि और शांति हेतु मंगलकामना की।

-अर्जुनराम मेघवाल

भाजपा कार्यकर्ता होना सेवा का सौभाग्य प्राप्त करने से कहीं कम नहीं। भारतीय जनता पार्टी, जोधपुर उत्तर की नवगठित कार्यकारिणी के नेतृत्व कुशल पदाधिकारियों एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं से आज जोधपुर निज निवास में स्नेहिल भेंट हुई।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

कहानी

अपनी ही निगाह में

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

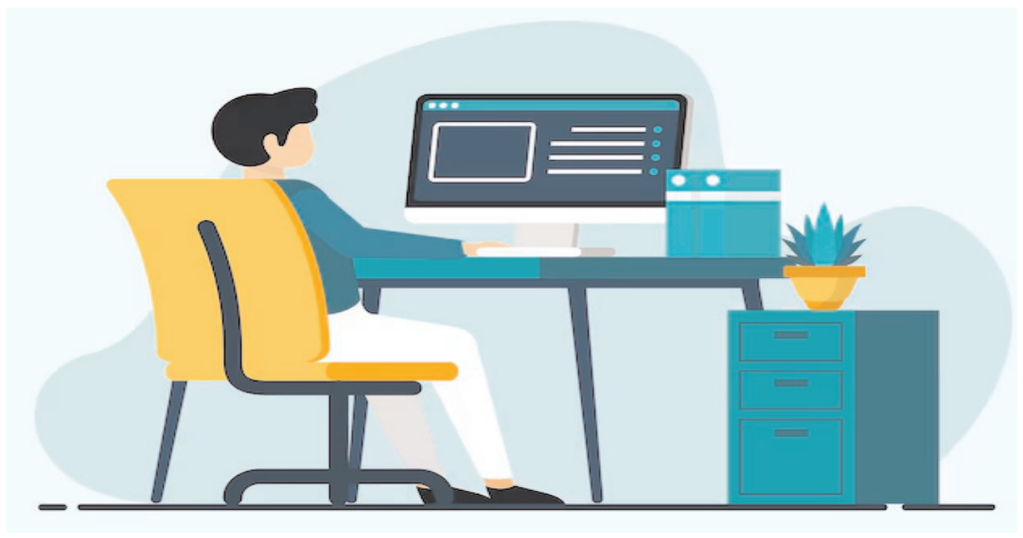

देशराज आजकल विचित्र समस्या का सामना कर रहा था। व्यस्तता के दरम्यान तो सब ठीक रहता, मगर खाली समय में ओढ़े हुए पाखंड का भार उसे रह-रह कर बेचैन करने लगता...आज ही था, अपने 'त्रिशूल' साप्ताहिक के कार्यालय में कम्प्यूटर की स्क्रीन पर प्रूफ देखने और करेक्शन करने में दो घंटे कब निकल गए, पता ही न चला। फिर पेज की सेटिंग मे जुट गया... दो बजे तक चार पेज बन गए थे।

तभी प्रधान सम्पादक सोमनाथ जी उसके केबिन में आ गए। देशराज ने चरण स्पर्श के साथ प्रणाम किया। सोमनाथ अखबार के मालिक होने के साथ उसके फूफा भी हैं। उन्होंने कुर्सी पर बैठते हुए पूछा-'इस बार आसपास के जिलों में कई बड़े अपराध हुए हैं, सबके लम्बे-चौड़े कवरेज आए हैं। सीधे-सीधे देने पर तो दो पेज का स्पेस भी कम पड़ेगा। इसे कैसे देखोगे?'

'सर, आप परेशान न हो। मेरे दिमाग में एक आइडिया है, एक पेज में निपट जाएगा...'-कहते हुए उसने कम्प्यूटर में इसकी डमी दिखाई...आकर्षक शीर्षक, जोरदार इन्ट्रोडक्टरी पैराग्राफ के साथ अलग-अलग वारदात से जुड़े लोगों के बयान, मोडस ऑपरेंडी, पुलिस की छानबीन...और बाक्स में सारी घटनाओं की ब्रीफिंग, साथ ही घटनाओं के फ़ोटोज़ के कोलाज की योजना...सोमनाथ जी की बड़ी-बड़ी आँखों और गौरवर्ण के गोल चेहरे की चमक बता रही थी कि फीचर' का प्रजेंटेशन उनको पसन्द आया था। वह कुर्सी छोड़कर खड़े हो गए। देशराज के कंधे पर अपना हाथ रखते हुए बोले-'फिलहाल इसे पूरा करके मेरे ईमेल पर डाल देना, रात में देख लूँगा।'

उसने स्वीकृति में सिर हिलाया था। सोमनाथ जी रेशमी लिबास और परफ्यूम की गमक वाली भारी-भरकम काया के साथ केबिन से बाहर चले गए। इसके बाद देशराज फीचर तैयार करने में लग गया, पहले हत्या, छिनैती, बलात्कार, साइबर ठगी के फोटुओं को ग्राफिक एडिटर टूल के जरिए आपराधिक छवियों वाले कोलाज का स्वरूप दिया। फिर समाचारों से कट करके अपने फीचर के अलग-अलग सबइन्ट्रो में पेस्ट करने लगा...। फीचर की डिजाइन पहले ही तय थी, फिर भी तैयार करने में पाँच बज गए। सरसरी तौर पर करेक्शन के पश्चात इसे सोमनाथ जी के ईमेल पर सेंड कर दिया था...।

छुट्टी के बाद वह टीनशेड से मोपेड निकालने लगा तो फिर वही...अतीत और वर्तमान की चकरघिन्नी का त्रासद सिलसिला...दर्जनों जरूरतों के नुकीले तेवर... यह स्थिति लम्बे कद के गेंहुये रंग वाले तीखे नाक-नक्श के देशराज के लिए भारी पड़ता है। उसके अन्दर की चैतन्यता के स्थान पर सुस्ती पसरने लगती है और तना हुआ शरीर ढीला सा होकर दीनता का आभास कराने लगता है...। प्रेस कम्पाउण्ड से बाहर आ, वह धीमी गति से मोपेड चलाता भीड़ के बीच आगे बढ़ने लगा...।

पंजाबी मार्केट की तरफ मुड़ते हुए उसकी निगाह सामने लाल बोर्ड पर टंग गई। गणेश बुक डिपो' पढ़ते-पढ़ते फ़्लैश लाइट जैसी तेजी से सवेरे वाला दृश्य उसकी आंखों के आगे तैर गया...प्रेस के लिए घर से निकलते समय बृजराज यानी छोटे ने टोका था-'भईया! आज पाँच लांग नोटबुक जरूर लेते आना। अब तो टीचर भी चिढ़ाने लगे हैं।'

'टीचर भी...।'-उसने आश्चर्य से पूछा- 'क्या कहते हैं?'

'यही कि तुम्हारा भाई कापी-किताब और कपड़ा भी नहीं दे सकता तो स्कूल ही क्यों भेजता है?'-छोटे की आवाज में किशोरवय के बच्चों वाला आक्रोश था।

देशराज के शरीर में अजीब-सी सनसनाहट दौड़ गई थी... उसने सोचा, मास्टर साहब की यह बेहूदगी अगर मैं 'त्रिशूल' में छाप दूँ तो लेने के देने पड़ जाएँ। मगर असल दिक्कत है, अपनी भी पोल खुल जाएगी। लोग जानेंगे कि मानिंद जमींदार परिवार कैसी बदहाली में जी रहा है? यही बात नहीं उधड़नी चाहिए। वह चुप रह गया था, किन्तु माँ ने बृजराज को डांट दिया था-'सैकड़ों बार मना कर चुकी हूँ, चलते वक्त टोका-टाकी ठीक नहीं होती। उसके पास पैसा होता है तो किसी चीज के लिए कहना पड़ता है बार-बार!'

उसकी चुप्पी और माँ की झिड़की के बीच छोटे अपराधी-सा खड़ा रह गया था...वह अवसाद से भरा निकल पड़ा था...धीरे-धीरे रेंगते मोपेड पर सवार देशराज की निगाह बोर्ड पर जमी थी। छोटे को सचमुच नोटबुक की जरूरत है, कई दिनों से कह रहा है। इच्छा हुई, खरीद ही ले। मगर तभी पीं...ईंईं... पीं...ईंईं करता एक ई-रिक्शा ऐन उसके पीछे आ पहुंचा। वह हड़बड़ी में मोपेड का एक्सिलेटर ऐंठता आगे निकल गया। आगे अस्पताल रोड पर मुड़ते हुए उसने सोचा, अगर इसी तरह भावुकता में बहकर छोटी-छोटी बातों में झुकता रहा तो हो चुका। जैसे इतने दिन टल गया, दो दिन और सही। परसों वेतन मिल जाएगा। अभी पाँच-सात सौ रुपये जेब में पड़े हैं तो इसे पैसा कहना भी बेवकूफी है। कोई जान-पहचान वाला या रिश्तेदार मिल गया तो मुंह नहीं चुराना पड़ेगा। बाप-दादाओं की खानदानी रवायत की हिफाजत के लिए कुछ त्याग तो करना ही पड़ेगा।

माँ बताया करती हैं- 'बेटा ! तुम्हारे दादा हथिनशीन थे। उनके जमाने में आगंतुकों के आने पर मैंने आधी-आधी रात को चूल्हा जलाया है।'

गाँव का नव धनाढ्य और निहायत मगरूर प्रभू कुर्मी भी एक रोज अपने सफेद बालों पर हाथ फेरते हुए बताया था-'बच्चा, तुम्हारे दादा राजा थे, राजा! गरीब-दुखिया के लिए हाथ खुला रखते थे। हाकिम-हुक्काम के बीच अच्छी पैठ थी। उनकी चौथाई हैसियत के लोग आज कोठी-कार वाले बने बैठे हैं। बच्चा, तुम्हारे दादा को सिर्फ इज्जत की भूख थी। पैसे को उन्होंने काभी कुछ नहीं समझा...।'

वह जमाना न सही, पिताजी का रुतबा तो उसने देखा ही था। गाँव में विधायक आते या सांसद, चकबंदी के छोटे मामलों का समझौता होना होता या फिर तहसीलदार दौरा करते 'कचहरी' उसी के दरवाजे पर सजती थी। यह परम्परा आज भी चली आ रही है। प्रधान मंत्री आवास योजना के लाभार्थियों की लिस्ट बननी हो या राशन कार्ड का पुनरीक्षण, अहलकार उसकी ही चौपाल चुनते हैं। और तो और दूर-दराज के तीर्थों से सालाना वसूली के लिए आने वाले पंडा बाबा और चैत की उधारी हींग देने वाले हिंगहार उसी के यहाँ डेरा डालना अपना हक समझते हैं। जब सभी उससे पुरानी परम्परा के निर्वाह की आपेक्षा किए बैठे हैं, तो वह क्या करे? किस-किस को मना करें। दस लोग जुटेंगे तो खर्चा बढ़ेगा ही! जिस खानदान के लोग अपना झण्डा ऊंचा रखने के लिए हजारों का वारा-न्यारा करने से नहीं चूकते थे, उसी कुल का चिराग होकर वह सामान्य अतिथि सेवा और खुले व्यवहार से हाथ खींच ले-यह कैसे संभव है?

अस्पताल रोड सदर बाजार से गुजरती है, यहाँ कपड़े की दुकानें हैं। यहाँ से आगे बढ़ते हुए चार रोज पहले की घटना एक बार फिर सामने आ गई...वह भोजन कर रहा था। मँझले यानी यशराज की पत्नी सब्जी देने आई थी, तभी उसका आँचल सरक गया, फटे ब्लाउज से उसकी 'विवशता' देख, वह सन्न रह गया। अपने परिवार की रवायतों को लेकर मन में आग धधक उठी। किसी तरह खाना निपटाया। गटागट पूरे लोटे का पानी पी गया, लेकिन अन्दर धुँधुआती आग न बुझ पायी। उस रोज प्रेस की तरफ बढ़ते हुए वह अतीत और वर्तमान के अन्तर को पूरी शिद्दत से महसूस कर रहा था...।

बाप-दादाओं के मुकाबले वह है क्या? दो छोटे भाइयों का संरक्षक और एक छोटे अखबार का सहायक सम्पादक। पैसे के मामले में नाम बड़े दर्शन थोड़े! जमीन है उसके पास, लेकिन खेती मंहगी हो चुकी है। बारह हजार महीना कमाने वाला घर-गृहस्थी संभालने के बाद खेती के लिए क्या बचा पाएगा? स्थायी मजदूर ही साढ़े सात हजार महीना की मांग करते हैं। ट्रैक्टर की जुताई, बुआई, खाद, बीज, हार्वेस्टिंग, दंवायी सब बेहद खर्चीला...उसकी आज की कमाई में असम्भव...। कभी दिन फिरेंगे तो देखा जाएगा...। उसके लिए तो यही पीठ ठोंकने वाली बात है कि उसने अब तक जमीन बेची नहीं!

उस दिन प्रेस के कार्यालय में बैठे-बैठे उसने महसूस किया कि अब तक वह बेकार की मामलों मे उलझ रहा...परिणाम सामने है, बृजराज बिना किताब-कापी के पढ़ रहा है। बेचारे के पास एक ही पैंट-बुशर्ट है। अभाव और बीमारी के बीच पत्नी सूखकर कांटा हो चुकी है। माँ की दशा तो और खराब है। लगता है, जीवन की आपाधापी में सौम्य और ममतामयी प्रौढ़ा कहीं खो गई हो और उनकी जगह आ गई है गुस्सैल बुढ़िया! यशराज का बड़ी मुश्किल से सोमनाथ फूफा से ले-देकर किसी तरह बी. एड. में एडमिशन हो पाया था...दस महीना तक पचास हजार की कटौती चलती रही। यह महीने भी गजब के कमी कोताही में गुजरे, आज भी बुखार में तपते बेसुध मुन्ना की तस्वीर कौंध जाती है...काश! समय से समुचित इलाज हो पाया होता...।

पिछले अर्से में झूठे बड़प्पन और ढकोसला के जिस ताने-बाने के जाल से उसने खुद को जकड़ रखा था, उस दिन वह उससे बाहर आ गया और उसे अपना असली रूप नजर आने लगा-वीभत्स, क्रूर और भयावना! ग्लानि की एक सर्द लहर उसकी शिराओं में तैर गई और आत्मा कराह उठी-अब रास्ता बदलना ही होगा। सबसे पहले लम्बरदारी से तौबा! खेती-बारी सिर्फ मजदूर के भरोसे नहीं, खुद भी हाथ लगाना पड़ेगा। सात-आठ एकड़ जमीन किराये पर देना ठीक रहेगा, बिना कुछ किए धरे सालाना सत्तर-अस्सी हजार रुपये मिलते रहेंगे। घर के सामने के चक में खुद की खेती...। फूफा जी से एक बार फिर दस हजार...।

देशराज चार बजे काम बन्द करके सोमनाथ जी के पास आ गया था। वह ऑफसेट के मशीनमैन से उलझे थे-'महीने में कितनी बार चाहिए तुम्हें एडवांस ? जब देखो, हाथ फैलाए सिर पर सवार रहते हो...।'

उसे घुटन-सी हुई, क्या पता अग्रिम के बहाने उसे भी...। योजना डगमगाने लगी...मृत्यु-शैया पर पड़े बाबूजी की बातें...उन्होंने समझाया था- मेरे बाद तुम परिवार के कर्ता बनोगे। मेरी लम्बी बीमारी में सब कुछ चौपट हो चुका है, लेकिन मन को काबू में रखकर चलोगे तो इज्जत की जिन्दगी मुश्किल नहीं...।'

मशीनमैन को दफा कर वह देशराज से मुखातिब हुए- 'क्या बात है, इतनी जल्दी...।'

'सर, सिर में दर्द ...।'

'कोई बात नहीं, दवा ले लें।'- उन्होंने दराज से एस्प्रिन निकाली और रोहन से चाय मँगवाई थी...

सामने से भीड़ का रेला आ रहा था। पुरानी बातों से हटकर देशराज ने सारा ध्यान रास्ते पर केंद्रित कर दिया...तभी सामने से विनय, रविनाथ और मनसुख लदे-फंदे सामने आ गए। उसने मोपेड रोक दी और लम्बे पैर फुटपाथ पर टिका दिए। सबके अभिवादन पर हाथ जोड़ते हुए हल्की मुस्कान के साथ पूछा-'कहाँ की तैयारी है?'

'चण्डीगढ़, वहाँ एक साप्ताहिक आरम्भ हुआ है। हम तीनों आनलाइन सिलेक्ट हुए हैं।'-रविनाथ ने बताया।

'ठीक है, आप सब सफल हों। यात्रा की मंगलकामनायें... जाएं।'-उसने मोपेड का सेल्फ दबाया।

तभी अपना पिट्ठू बैग ठीक करते हुए मुँह लगे विनय ने आखें हंसते हुए कहा-'राजा जी, आप बड़े आदमी हैं। कोरी शुभकामना आपकी प्रतिष्ठा के लायक नहीं है, कुछ मीठा-नमकीन और चाय-काफी तो बनती है न! पता नहीं अब आगे कब मुलाकात हो। आप पर महीने के आखिरी दिनों का असर...।'

देशराज की आँखों में चमक आ गई। वह मुस्कराया और तराशी हुई पतली मूछों पर अंगुलियाँ फेरीं, फिर सबको लिए हुए वह 'नारायण होटल' में चला गया। करीब बीस मिनट चारों लोग अन्दर रहे। रसमलाई से मुंह मीठा किये। एक-एक प्लेट खस्ता से तबीयत मस्त हो गई। रही सही कसर कॉफी ने पूरी कर दी। तीनों ने देशराज के पैर छूए और रेलवे स्टेशन की तरफ चले गये। देशराज के चेहरे पर औरों के मुकाबले कुछ अधिक ही तृप्ति थी, क्योंकि झूठी शान का एक और झण्डा फहरा लेने का संतोष भी उसमें शामिल था।

हल्की मनःस्थिति में मोपेड पर सवार देशराज गोमती पुल के आगे आ गया। इस बीच सड़क के दोनों तरफ स्याह धुंधलका गहरने लगा था...उसे ध्यान आया, होटल का बिल डेढ़ सौ रुपये आया था। अचानक ही मन में एक गणित आकर लेने लगा, सिर्फ पचास रुपये और खर्च करने पर पाँच लॉन्ग नोटबुक मिल सकती थी या फिर दो ब्लाउज के पीस भी खरीदे जा सकते थे। मगर...मन में अजीब उथल-पुथल मच गई...जो परिचित मिले उनको तो एक चाय से भी निपटाया जा सकता था। वह कभी अपने सहकर्मी रह चुके थे, रिश्तेदार नहीं थे कि उनके सामने पोल खुल जाने की डर होती...उन लोगों के आगे महीने के आखिर दिनों में जेब हल्की होने की बात से क्या फर्क पड़ना था?

इस सवाल के साथ ही उसकी चेतना परिवार की बदहाली से जुड़ने लगी... गहरी घुटन, ग्लानि और तनाव के खीझ भरे क्षणों में परिवार की गंभीर जरूरतों की कब्र पर लहराता झूठी शान का परचम उसे बुरी तरह मुंह चिढ़ाने लगा..। अब वह अपनी ही निगाह में इतना बड़ा अपराधी लग रहा था कि घर जाकर मुंह दिखने की हिम्मत नहीं पड़ रही थी।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

प्रकृति...विकृति

वर्तमान जीवन शैली में चलना, दौड़ना, व्यायाम आदि शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य हो चले हैं। मुझे भ्रमण प्रिय है। सामान्यतः प्रातः समय भ्रमण कर लेता हूँ तथापि अनेक बार ऐसी अपरिहार्यताएँ होती हैं कि सुबह से रात तक काम के अलावा दूसरा कुछ करने की स्थिति नहीं बन पाती। आज भी ऐसा ही एक दिन था। रात के लगभग 10:30 बज रहे थे। विचार किया कि भ्रमण का कोटा पूरा कर लूँ। तुलनात्मक रूप से कम भीड़-भाड़ और चौड़े फुटपाथ वाली एक सड़क पर निकल पड़ा। देखता हूँ कि जो लोग भ्रमण कर रहे हैं, उनमें भोजन कर पान खाने निकले कुछ दुकानदारों की टोली है, कुछ युगल हैं। एकाध परिवार हैं, शेष एकल पुरुष हैं। पूरे मार्ग पर भी एक भी अकेली स्त्री नहीं है।

चिंतन का चक्र आरंभ हुआ। स्त्रियों के साथ यह भेदभाव क्यों? जैसे देर रात भ्रमण की मेरी इच्छा हुई, अनेक स्त्रियों की भी होती होगी पर उनके कदम बँधे हैं। भीतर से तर्क आया कि यह तो प्रकृतिगत है कि देर रात सुनसान रास्ते पर कोई महिला अकेली नहीं निकलेगी। भीतर ने ही तर्क से तर्क की काट भी तलाशी।

सत्य तो यह है कि शेर के डर से खरगोश दुबका रहे, यह तो प्रकृति है पर शेर के डर से शेरनी बाहर ना निकल सके, यह विकृति है। पृथ्वी पर अन्य किसी भी सजीव की एक ही प्रजाति में यह डर देखने को नहीं मिलता। स्त्री-पुरुष पूरक हैं। एक घटक को भय होगा तो पूरक मिलकर संपूर्णता कैसे प्राप्त करेंगे? दुखद यथार्थ है कि सामान्यतः हर स्त्री को अपने जीवन में अपनी कुछ इच्छाओं का गला घोंटना पड़ता है। इच्छाओं को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप पुरुष पर है और उसे ईमानदारी से इस आरोप को स्वीकार करना भी चाहिए।

मनुष्य ने अरण्य से निकल कर नगर बसाए। नगर के अपने नियम-कानून बनाए। तथ्य बताते हैं कि ये कानून स्त्रियों को संरक्षण देने में विफल रहे। लैंगिक समानता के विषय पर अरण्य, नागरी सभ्यता से बहुत आगे खड़े हैं। नीति कहती है कि जब मनुष्य के नियम प्रभावहीन होने लगें तो उसे अपौरुषेय की शरण में जाना चाहिए।

वेद अपौरुषेय हैं। अथर्ववेद का उद्घोष है कि स्त्रियाँ शुद्ध स्वभाव वाली, पवित्र आचरण वाली, पूजनीय, सेवा योग्य, शुभ चरित्र वाली और विदुषी हैं। यजुर्वेद स्त्री, पुरुष दोनों में से किसी को भी शासक होने का समान अवसर प्रदान करते हुए अपेक्षा व्यक्त करता है कि राजा की भाँति रानी भी न्याय करनेवाली होनी चाहिए।

न्याय का अधिकार रखनेवाली के साथ होता अन्याय समर्थनीय नहीं है। वेदों के दिशा-निर्देश और आचरण तत्व स्त्री-पुरुष दोनों पर लागू होते हैं। स्त्री को समानता और निर्भय वातावरण उपलब्ध कराना प्रत्येक पुरुष का कर्तव्य है। इस कर्तव्य को चर्चा तक सीमित न रखकर व्यवहार में उतारना ही बुद्धिमान मनुष्य प्रजाति से अपेक्षित है।..इति।

बोध कथा

स्त्री का विश्वास

एक स्थान पर एक ब्राह्मण और उसकी पत्नी बड़े प्रेम से रहते थे। किन्तु ब्राह्मणी का व्यवहार ब्राह्मण के कुटुम्बियों से अच्छा नहीं था। परिवार में कलह रहता था। प्रतिदिन के कलह से मुक्ति पाने के लिये ब्राह्मण ने मां-बाप, भाई-बहिन का साथ छोड़कर पत्नी को लेकर दूर देश में जाकर अकेले घर बसाकर रहने का निश्चय किया। यात्रा लंबी थी। जंगल में पहुँचने पर ब्राह्मणी को बहुत प्यास लगी। ब्राह्मण पानी लेने गया। पानी दूर था, देर लग गई। पानी लेकर वापिस आया तो ब्राह्मणी को मरी पाया। ब्राह्मण बहुत व्याकुल होकर भगवान से प्रार्थना करने लगा। उसी समय आकाशवाणी हुई कि---ब्राह्मण ! यदि तू अपने प्राणों का आधा भाग इसे देना स्वीकार करे तो ब्राह्मनी जीवित हो जायगी। ब्राह्मण ने यह स्वीकार कर लिया। ब्राह्मणी फिर जीवित हो गई। दोनों ने यात्रा शुरु करदी।

वहाँ से बहुत दूर एक नगर था। नगर के बारा में पहुँचकर ब्राह्मण ने कहा - प्रिये ! तुम यहीं ठहरो, मैं अभी भोजन लेकर आता हूँ। ब्राह्मण के जाने के बाद ब्राह्मणी अकेली रह गई। उसी समय बारा के कूएं पर एक लंगड़ा, किन्तु सुन्दर जवान रहट चला रहा था। ब्राह्मणी उससे हँसकर बोली। वह भी हँसकर बोला। दोनों एक दूसरे को चाहने लगे। दोनों ने जीवन भर एक साथ रहने का प्रण कर लिया। ब्राह्मण जब भोजन लेकर नगर से लौटा तो ब्राह्मणी ने कहा---यह लँगड़ा व्यक्ति भी भूखा है, इसे भी अपने हिस्से में से दे दो। जब वहां से आगे प्रस्थान करने लगे तो ब्राह्मणी ने ब्राह्मण से अनुरोध किया कि- इस लँगड़े व्यक्ति को भी साथ ले लो। रास्ता अच्छा कट जायगा। तुम जब कहीं जाते हो तो मैं अकेली रह जाती हूँ। बात करने को भी कोई नहीं होता। इसके साथ रहने से कोई बात करने वाला तो रहेगा।

ब्राह्मण ने कहा- हमें अपना भार उठाना ही कठिन हो रहा है, इस लँगड़े का भार कैसे उठायेंगे ? ब्राह्मणी ने कहा- हम इसे पिटारी में रख लेंगे। ब्राह्मण को पत्नी की बात माननी पड़ी। कुछ दूर जाकर ब्राह्मणी और लँगडे ने मिलकर ब्राह्मण को धोखे से कूएँ में धकेल दिया। उसे मरा समझ कर वे दोनों आगे बढ़े। नगर की सीमा पर राज्य-कर वसूल करने की चौकी थी। राजपुरुषों ने ब्राह्मणी की पटारी को जबर्दस्ती उसके हाथ से छीन कर खोला तो उस में वह लँगड़ा छिपा था। यह बात राज-दरबार तक पहुँची। राजा के पूछने पर ब्राह्मणी ने कहा - यह मेरा पति है। अपने बन्धु-बान्धवों से परेशान होकर हमने देस छोड़ दिया है। राजा ने उसे अपने देश में बसने की आज्ञा दे दी।

कुछ दिन बाद, किसी साधु के हाथों कूएँ से निकाले जाने के उपरान्त ब्राह्मण भी उसी राज्य में पहुँच गया। ब्राह्मणी ने जब उसे वहाँ देखा तो राजा से कहा कि यह मेरे पति का पुराना वैरी है, इसे यहाँ से निकाल दिया जाये, या मरवा दिया जाये। राजा ने उसके वध की आज्ञा दे दी। ब्राह्मण ने आज्ञा सुनकर कहा- देव ! इस स्त्री ने मेरा कुछ लिया हुआ है। वह मुझे दिलवा दिया जाये। राजा ने ब्राह्मणी को कहा- देवी ! तूने इसका जो कुछ लिया हुआ है, सब दे दे। ब्राह्मणी बोली- मैंने कुछ भी नहीं लिया। ब्राह्मण ने याद दिलाया कि - तूने मेरे प्राणों का आधा भाग लिया हुआ है। सभी देवता इसके साक्षी हैं। ब्राह्मणी ने देवताओं के भय से वह भाग वापिस करने का वचन दे दिया। किन्तु वचन देने के साथ ही वह मर गई। ब्राह्मण ने सारा वृत्तान्त राजा को सुना दिया।

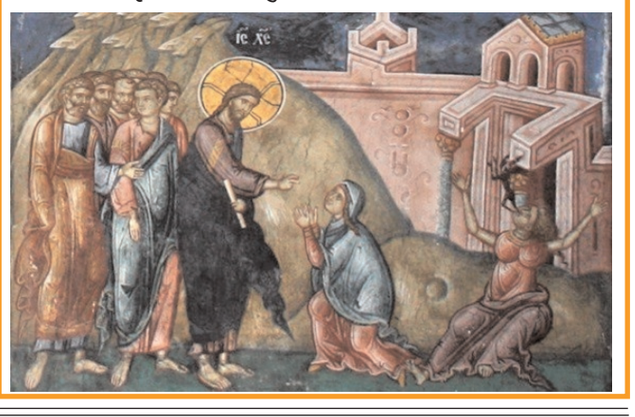

वीर गाथा

राइफलमैन आलोक राव: कर्तव्य पथ पर बलिदान देकर बचाए अपने साथियों के प्राण

मे राइफलमैन आलोक राव का जन्म उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के रसिया गांव में हुआ था। माता माया देवी और पिता विजय कुमार के वीर पुत्र आलोक अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद वर्ष 2021 में सेना में भर्ती हुए थे। उस समय उनकी उम्र 20 साल थी। उन्हें 18 असम राइफल्स में शामिल किया गया था। मई 2023 में मणिपुर में हिंसा छिड़ी तो स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 18 असम राइफल्स को भी तैनात किया गया था। आलोक राव मणिपुर के सेनापति जिले के बेहद संवेदनशील क्षेत्र में तैनात सुरक्षा टुकड़ी का हिस्सा थे।

जवानों को आदेश दिया गया था कि वे हिंसक गतिविधियों में शामिल लोगों पर कड़ी नजर रखें। 10 मई को आलोक राव को लाइट मशीन गन बंकर में तैनात किया गया। सुबह लगभग 11.30 बजे दर्जनभर हथियारबंद लोग नजर आए, जो उनकी ओर आ रहे थे। आलोक राव ने खतरे को भांपते हुए उस सशस्त्र समूह को चुनौती दी। इसके बाद उन लोगों ने आलोक और उनके साथी जवानों पर गोलीबारी की। आलोक ने जोरदार पलटवार करते हुए उस समूह के दो-तीन लोगों को घायल कर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि दंगाई वहां से भाग गए। आलोक ने अपने साथियों के जीवन की रक्षा की। हालांकि वे खुद गंभीर रूप से घायल हो गए थे। कोलकाता के कमांड अस्पताल में उनका इलाज हुआ, लेकिन वे 17 मई, 2023 को वीरगति को प्राप्त हो गए। राइफलमैन आलोक राव एक बहादुर सैनिक थे। उन्हें अदम्य साहस, वीरता और बलिदान के लिए 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जम्मू-कश्मीर की वुलर झील में तीन दशक बाद फिर से कमल के फूल दिखाई दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांदीपोरा (जम्मू कश्मीर)। लगभग तीन दशकों के बाद, उत्तरी कश्मीर में वुलर झील में एक बार फिर कमल खिले नजर आ रहे हैं। यह 1992 में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद किए गए संरक्षण प्रयासों के कारण संभव हो पाया है। बाढ़ में झील के समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र को भारी नुकसान पहुंचाया था। वुलर झील एशिया की दूसरी सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है। झील में उगे कमल न केवल पारिस्थितिकी के लिए अहम हैं, बल्कि स्थानीय लोगों की आजीविका के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। कुल 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली झील की लंबाई लगभग 24 किलोमीटर है, जो बांदीपोरा जिले में हरमुख पर्वत श्रृंखला की तलहटी से लेकर पड़ोसी बारामूला जिले के सोपोर शहर तक फैली हुई है।

एक निवासी अब्दुल हमीद ने कहा, यह किसी चमत्कार से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि पहले स्थानीय लोग कमल के बीज झील में डालते थे, लेकिन उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ। हमीद ने कहा, इससे कोई फायदा नहीं हुआ। गाद की वजह से वे उग नहीं पाए। कश्मीर घाटी में 1992 में विनाशकारी बाढ़ आई थी, जिससे जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित वुलर झील के समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा था। बाढ़ के कारण झील में भारी मात्रा में गाद जमा हो गई, जिसने वर्षों से कमल के पौधों को दबा दिया।

पिछले कुछ वर्षों में हालांकि वुलर संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (डब्ल्यूयूसीएमए) द्वारा झील से गाद निकालने सहित संरक्षण प्रयासों के कारण, कमल के फूल एक बार फिर से दिखाई देने लगे हैं। झील प्राधिकरण के एक अधिकारी मुदासिर अहमद ने कहा, पिछले साल, कमल के फिर से खिलने के संकेत मिले थे। फिर इस साल, डब्ल्यूयूसीएमए ने झील में कमल के बीज बिखेरे, और कमल खिल गए। डब्ल्यूयूसीएमए के क्षेत्रीय अधिकारी अहमद ने कहा कि यह पैदावार (कमल) झील के लगभग तीन वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैल गई है, तथा जलाशय के पुनरुद्धार के लिए झील से गाद निकालकर यह बदलाव लाया गया है। कश्मीर संभाग के मुख्य वन संरक्षक इरफान रसूल ने कहा कि कमल की वापसी झील के बेहतर होते पारिस्थितिक स्वास्थ्य का एक मजबूत संकेतक है, जो दशकों से काफी क्षतिग्रस्त हो गया था, और 27 वर्ग किलोमीटर तक का क्षेत्र भारी मात्रा में गाद से भर गया था, जिससे इसकी जल धारण क्षमता, पारिस्थितिक कार्य और समुदायों की आजीविका प्रभावित हो रही थी।

केरल के विद्यालयों में बैठने की नयी व्यवस्था से अब कोई छात्र नहीं होगा 'बैकबेंचर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम। दक्षिण केरल के कोल्लम जिले के वालकोम में रामविलासोम वोकेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल (आरवीएचएसएस) मलयाली फिल्म से प्रेरणा लेकर शिक्षा नवाचार के लिए एक आदर्श के रूप में उभरा है और इसकी वजह कक्षाओं में छात्रों को बैठने की अनूठी व्यवस्था है जिसने अब 'बैकबेंचर्स' के विचार को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। प्राथमिक कक्षा में पढ़ने वाले प्रत्येक छात्र को समान ध्यान मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए बैठने की व्यवस्था को पुनः व्यवस्थित करके, आरवीएचएसएस ने प्रशंसा और अनुकरण दोनों प्राप्त किया है। हाल ही में प्रदर्शित मलयालम फिल्म 'स्थानार्थी श्रीकुट्टन' से प्रभावित होकर विद्यालय ने बच्चों के बैठने की एक अभिनव व्यवस्था लागू की है, जिसमें एक पंक्ति की सीटें कक्षा की चार दीवारों के साथ संरेखित की गई हैं, ताकि सभी लोग आगे की बेंचों पर बैठ सकें। केरल के आठ विद्यालयों ने पहले ही इस बैठने की व्यवस्था को अपना लिया है, तथा पंजाब के एक स्कूल ने भी इस व्यवस्था को लागू किया है। फिल्म 'स्थानार्थी श्रीकुट्टन' के निर्देशक विनेश विश्वनाथन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मुझे खबर मिली कि पंजाब के एक स्कूल ने भी इसे अपना लिया है। प्रधानाचार्य ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म देखी। उन्होंने छात्रों को फिल्म दिखाई भी। मुझे खुशी है कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान मिला।'' उन्होंने कहा कि फिल्म में केवल एक दृश्य में इस व्यवस्था को दिखाया गया है, जिसे फिल्म में 7वीं कक्षा के एक छात्र द्वारा क्रियान्वित किया गया विचार बताया गया है। विनेश ने कहा, ''पीछे बेंच पर बैठकर अपमानित होने के अनुभव से ही उन्हें यह विचार आया। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसकी इतनी चर्चा होगी।''

उन्होंने कहा, ''यह हमारा विचार नहीं है, लेकिन जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डीपीईपी) के तहत कक्षाओं में बैठने की ऐसी व्यवस्था पहले से ही थी, लेकिन बीच में हम इसे भूल गए थे।'' आरवीएचएसएस का प्रबंधन केरल सरकार के मंत्री गणेश कुमार का परिवार करता है। गणेश ने 'स्थानार्थी श्रीकुट्टन' का पूर्वावलोकन इसके रिलीज होने से एक वर्ष पहले देखा था और आरएमवीएचएसएस में प्राथमिक कक्षाओं में इसे शुरू करने की संभावना पर शिक्षकों के साथ चर्चा की थी। आरएमवीएचएसएस के प्रधानाध्यापक सुनील पी शेखर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''गणेश कुमार ने हमसे और अपनी पत्नी से इस बारे में चर्चा की। हम भी एक कक्षा में इसे शुरू करने पर सहमत हो गए।

एस्टर सीएमआई अस्पताल ने महिला के फेफड़े से निकाली कपड़े की पिन

बेंगलूरु। एस्टर सीएमआई अस्पताल के डॉक्टरों ने एक 55 वर्षीय महिला के फेफड़ों से एक नुकीली धातु की कपड़े की पिन को सफलतापूर्वक निकाला, जो गलती से साँस के ज़रिए महिला के फेफड़ों में एक महीने से भी ज़्यादा समय से फंसी हुई थी। बाहरी वस्तु को फोगार्टी बैलून कैथेटर का उपयोग करके न्यूनतम इनवेसिव ब्रोंकोस्कोपिक तकनीक के ज़रिए सुरक्षित रूप से निकाला गया, जिससे इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी में अस्पताल की उत्कृष्टता का प्रदर्शन हुआ। मरीज़ ने खरीदारी करते समय कपड़े देखते हुए कुछ देर के लिए अपने मुँह में यह नुकीला धातु का टुकड़ा रखा था, लेकिन अनजाने में वह पिन उसके मुँह में चली गई। अचानक छींक आने से वह पिन उसके श्वासनली में चली गई और अंततः दाहिने फेफड़े के एक महत्वपूर्ण मार्ग, ब्रोन्कस इंटरमीडियस में धँस गई। हफ़्तों तक कई स्वास्थ्य सेवा केंद्रों से परामर्श लेने के बावजूद, उसकी लगातार सूखी खाँसी और घरघराहट का कारण पता नहीं चल पाया। एस्टर सीएमआई अस्पताल में उनके दौरे पर, सीटी स्कैन और छाती के एक्स-रे के ज़रिए विस्तृत इमेजिंग से पता चला कि ब्रोन्कियल दीवार में एक बाहरी वस्तु मजबूती से चिपकी हुई है। मामले की जटिलता के कारण अत्याधिक सटीक और सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण की आवश्यकता थी।

एस्टर सीएमआई अस्पताल में इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी के प्रमुख सलाहकार डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि पिन का नुकीला सिरा वायुमार्ग की दीवार में धंस गया था। आगे की चोट के जोखिम के कारण मानक पुनर्प्राप्ति विधियाँ विफल रहीं।

एस. एस. राजामौली 'डेथ स्ट्रैंडिंग 2' वीडियो गेम में निभाएंगे कैमियो

मुंबई/एजेन्सी

'बाहुबली' और 'आरआरआर' जैसी फिल्मों के फिल्मकार एस.एस. राजामौली ने जापानी विडियो गेम निर्माता हिडेओ कोजिमा के बहुप्रतीक्षित टाइटल डेथ स्ट्रैंडिंग 2: ऑन द बीच में कैमियो (अतिथि भूमिका) के जरिये गेमिंग की दुनिया में कदम रखा है। राजामौली ने बताया कि वर्ष 2022 में उनके निर्देशन में बनी फिल्म आरआरआर को बढ़ावा देने के लिए जापान की यात्रा के दौरान गेम के लिए उनके तौर-तरीकों, हाव-भाव व अंदाज को विस्तृत रूप से दर्ज किया गया। राजामौली ने एक बयान में कहा कि उन्हें उस समय यह अंदाजा नहीं था कि उनके दर्ज विवरणों को किस तरह इस्तेमाल किया जाएगा, लेकिन वह अंतिम परिणाम देखकर रोमांचित हैं।

उन्होंने कहा, जब हम 'आरआरआर' के प्रमोशन के लिए जापान में थे, तब मैं कोजिमा-सान के ऑफिस गया था। उन्होंने वहां मेरा स्कैन किया, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि वह इसका क्या करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे बस इतना महसूस हुआ कि कुछ जादुई चीज बन रही है। अब खुद को 'डेथ स्ट्रैंडिंग 2' में देखना मेरे लिए सम्मान की बात है। कोजिमा-सान के संसार का छोटा सा हिस्सा बनना भी मेरे लिए सौभाग्य की बात है। राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' को जापान में दर्शकों और समीक्षकों से जबरदस्त सराहना मिली थी। बाद में कोजिमा ने भी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस कैमियो की पुष्टि की और राजामौली की तस्वीरें साझा कीं।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, निर्देशक एस. एस. राजामौली ने केजेपी (कोजिमा प्रोडक्शंस) का दौरा किया!!! हमने उनका स्कैन किया। 'डेथ स्ट्रैंडिंग 2: ऑन द बीच' इस साल के अंत में वैश्विक स्तर पर रिलीज होने वाली है। यह 2019 में आए मूल गेम 'डेथ स्ट्रैंडिंग' का अगला भाग है और इसमें दुनिया भर की जानी-मानी हस्तियों को शामिल किया गया है। हिडेओ कोजिमा को 'मेटल गियर', 'स्नेचर' और 'ज़ोन ऑफ द एंडर्स' जैसे शैलियों को परिभाषित करने वाले गेम के लिए जाना जाता है। इस गेम में नॉर्मन रीडस, लिया सेदू और ट्रॉय बेकर जैसे कलाकार वापसी कर रहे हैं, जबकि एले फैनिंग और जॉर्ज मिलर जैसे नए कलाकार भी इस गेम से गेमिंग की दुनिया का हिस्सा बनेंगे।

'दो बीघा जमीन' की 4के रीस्टोर्ड प्रति वेनिस फिल्म महोत्सव में होगी प्रदर्शित

मुंबई/एजेन्सी

वर्ष 1953 में बनी बिमल रॉय की क्लासिक फिल्म 'दो बीघा जमीन' की 4के रीस्टोर्ड प्रति को वर्ष 2025 के वेनिस अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित किया जाएगा। यह घोषणा प्रख्यात फिल्मकार बिमल रॉय की 116वीं जयंती के अवसर पर की गई है। 'वेनिस क्लासिक्स' श्रेणी के तहत यह फिल्म 'टू एकर्स ऑफ लैंड' नाम से प्रदर्शित की जाएगी। इस खंड में पेड्रो अल्मोदावार की 'मैटाडोर', ज्यूसेप्पे डी सैंटिस की 'रोमा ओरे 11', क्रिजटोफ कीस्लोव्स्की की 'प्रजिपादेक' और स्टेनली कुब्रिक की 'लोलिता' जैसी प्रतिष्ठित रीस्टोर्ड फिल्मों को भी शामिल किया गया है। यह स्क्रीनिंग रॉय के बच्चे - रिंकी रॉय भट्टाचार्य, अपराजिता रॉय सिन्हा और जॉय बिमल रॉय के साथ-साथ फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के निदेशक शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर द्वारा प्रस्तुत की जाएगी।

फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन, द क्राइटीरियन कलेक्शन और जानस फिल्म्स ने इसका 'रीस्टोरेशन' किया है। गीतकार और फिल्मकार गुलजार ने इस खबर का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा, ...'दो बीघा जमीन' ने भारतीय सिनेमा को नयी दिशा दी। यह फिल्म टैगोर की कविता और सलील चौधरी की कहानी पर आधारित थी। उन्होंने यह भी कहा कि बिमल रॉय एक शांत और दूरदर्शी फिल्मकार थे, जिनसे उन्होंने न सिर्फ फिल्म निर्माण सीखा, बल्कि धैर्य और निरंतरता का पाठ भी लिया। फिल्म में बलराज साहनी और निरूपा रॉय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसमें एक गरीब किसान की कहानी दिखाई गई है, जो औद्योगिकीकरण की मार झेलता है। बिमल रॉय के परिवार ने एक साझा बयान में कहा, दो बीघा जमीन का वेनिस फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित किया जाना, हमारे लिए सपना सच होने जैसा है।

रिंकी रॉय भट्टाचार्य, अपराजिता रॉय सिन्हा और जॉय बिमल रॉय ने एक संयुक्त बयान में कहा, फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर और क्राइटेरियन कलेक्शन की फुमिको ताकागी के अथक प्रयासों के बिना यह संभव नहीं हो पाता। सिनेमा को पुनर्स्थापित करने और उसका जश्न मनाने के उनके अटूट समर्पण के लिए हम दोनों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। 'दो बीघा ज़मीन' इस प्रतिष्ठित मंच के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है, क्योंकि इसका इतालवी सिनेमा से एक अनोखा संबंध है। 'दो बीघा ज़मीन' 1954 में कान फिल्म महोत्सव में 'प्रिक्स इंटरनेशनल पुरस्कार' जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म थी। इसे कार्लोवी वेरी फिल्म महोत्सव में भी सम्मान दिया गया था और पहले फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ फिल्म और निर्देशक का पुरस्कार जीता था। बयासीवां वेनिस फिल्म महोत्सव 27 अगस्त से छह सितंबर, 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

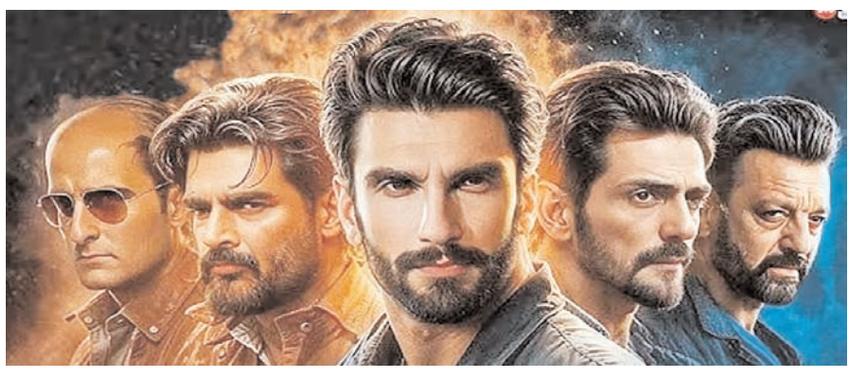

मैंने 'धुरंधर' जैसी फिल्म पहले कभी नहीं देखी : अर्जुन रामपाल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अर्जुन रामपाल अपनी आने वाली फिल्म 'धुरंधर' को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने फिल्म के फर्स्ट लुक को मिल रही प्रतिक्रिया पर खुशी जाहिर की और कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की किसी भी फिल्म से बिल्कुल अलग है। अभिनेता ने कहा कि ऐसी फिल्म उन्होंने पहले कभी नहीं देखी। अर्जुन ने कहा, ''फिल्म को बनाने से पहले मेकर्स ने काफी रिसर्च किया है। इसे बेहद अलग अंदाज में बनाया गया है। फिल्म की पूरी टीम ने अपने-अपने काम में पूरी मेहनत की है। फिल्म के फर्स्ट लुक को मिल रही प्रतिक्रिया को देखने के बाद मैंने निर्देशक आदित्य धर को गले लगा लिया।'' फिल्म में अर्जुन के अलावा रणवीर सिंह, आर माधवन, संजय दत्त और अक्षय खन्ना भी अहम किरदार में हैं। अर्जुन ने इस फिल्म में एक 'ग्रे' किरदार निभाया है।

'ग्रे' किरदार उन्हें कहते हैं जो पूरी तरह से अच्छे या बुरे नहीं होते। उनमें दोनों तरह के गुण शामिल होते हैं। फर्स्ट लुक में अर्जुन विंटेज मेटैलिक शेड्स, घनी दाढ़ी और रॉ एक्सप्रेशन्स के साथ दिखाई दे रहे हैं। अर्जुन ने कहा, ''फिल्म में मेरे किरदार में थोड़ा गुस्सा और सही-गलत का मिलाजुला भाव होगा, जो दर्शकों के लिए बिलकुल नया और अनोखा होगा। आदित्य धर ने इस कहानी को बहुत ही शानदार तरीके से पर्दे पर उतारा है, जिससे सभी कलाकार बहुत अलग और दमदार लग रहे हैं।'' 'धुरंधर' फिल्म को आदित्य धर ने न सिर्फ निर्देशित किया है, बल्कि इसकी कहानी को लिखा भी है।

यही नहीं, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर के साथ मिलकर प्रोड्यूस भी किया है। 'धुरंधर' की कहानी भारत-पाकिस्तान के आपसी संघर्ष के बीच एक सीक्रेट मिशन से प्रेरित बताई जा रही है। इसमें एक सीक्रेट मिशन के तहत पाकिस्तान के एक खूंखार आतंकी के खात्मे का तानाबाना दिखाया जाएगा। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और बी62 स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मुझे कभी नहीं लगा था कि मैं कोई कमर्शियल फिल्म कर पाऊंगी : मृणाल ठाकुर

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें यकीन नहीं था कि वह 'सन ऑफ सरदार 2' जैसी मुख्यधारा की कॉमेडी फिल्म में अभिनय कर पाएंगी। मृणाल ठाकुर ने इस फिल्म में काम करने का अवसर देने के लिए सह-कलाकार अजय देवगन का आभार व्यक्त किया। 'सन ऑफ सरदार' 2012 में रिलीज हुई थी, जिसका यह फिल्म दूसरा भाग है। 'सन ऑफ सरदार 2' का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कहा, मुझे इस फिल्म में जस्सी (अजय देवगन के किरदार) को परेशान करने में बहुत मज़ा आया। इस बार चार महिलाएं मिलकर उन्हें तंग करती हैं। यह मेरी पहली व्यावसायिक (कमर्शियल) फिल्म है और मैं अजय सर और निर्देशक की बेहद आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह मौका दिया। उन्होंने आगे कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं राबिया जैसे किरदार को निभा पाऊंगी। जस्सी को परेशान करने वाले सीन को करने से पहले मैं सोच रही थी कि 'क्या मैं इसे कर पाऊंगी?' लेकिन दीपक सर (डोबरियाल), कुब्रा सैत, रोशनी और बाद में चंकी सर के साथ मिलकर हम सबने बहुत मज़ा किया। विशेषकर दीपक सर के साथ काम करना बहुत आनंददायक रहा।

फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। इस फिल्म में रवि किशन, संजय मिश्रा, नीरू बाजवा, चंकी पांडे, कुब्रा सैत, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, रोशनी वालिया, शरद सक्सेना, साहिल मेहता जैसे अनुभवी और प्रतिभाशाली कलाकारों ने अभिनय किया है। फिल्म में मुकुल देव भी नजर आएंगे। उनका इस वर्ष मई में 54 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। ज्योति देशपांडे, एन आर पचीसिया और प्रवीण तलरेजा के साथ देवगन द्वारा निर्मित 'सन ऑफ सरदार 2' आगामी 25 जुलाई को रिलीज होगी।

सान्या मल्होत्रा एक्शन-कॉमेडी फ़िल्म में निभाएंगी मुख्य भूमिका

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में अपनी फ़िल्म मिसेज़ के लिए सराहना बटोरने के बाद, बहुमुखी अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अब बड़े पर्दे पर एक बिल्कुल नए अवतार में नज़र आने वाली हैं। इस बार वह एक पूरी तरह से मसालेदार एक्शन-कॉमेडी फ़िल्म में दिखाई देंगी, जो 2025 में रिलीज़ होने वाली है। आज इस फ़िल्म की आधिकारिक घोषणा की गई, जहाँ सान्या फ़िल्म की कोर टीम के साथ नज़र आईं। यह प्रोजेक्ट सान्या मल्होत्रा के करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहाँ वह हाई-कॉन्सेप्ट कमर्शियल एंटरटेनर्स की ओर तेज़ी से बढ़ रही हैं। अपनी अभिनय क्षमता और विविध किरदारों के लिए पहचानी जाने वाली सान्या का यह नया एक्शन-कॉमेडी अंदाज़ दर्शकों को हास्य, साहस और सिनेमाई प्रभाव का एक ताज़ा मिश्रण पेश करता है। अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए, सान्या ने लिखा: आप लोगों के साथ इसे शेयर करते हुए बहुत खुशी हो रही है -सिनेमाघरों में मिलते हैं! सान्या मल्होत्रा, जिन्होंने लगातार दमदार अभिनय किया है, चाहे वो दमदार ड्रामा हो या कमर्शियल हिट, अपनी पीढ़ी की सबसे रोमांचक प्रतिभाओं में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। अब वह आगाज़ एंटरटेनमेंट के साथ एक एक्शन-कॉमेडी अवतार में कदम रख रही हैं, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और उम्मीदें दोनों बढ़ गई हैं। ठग लाइफ के हिट ट्रैक झिंगुचा में उनकी दमदार उपस्थिति ने पहले ही तहलका मचा दिया है जिसने रिलीज़ के साथ ही काफी सुर्खियाँ बटोरी थीं। इसके अलावा सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी जैसे अपकमिंग प्रोजेक्ट्स और अनुराग कश्यप व बॉबी देओल के साथ बहुप्रतीक्षित कोलैबोरेशन के चलते यह साफ है कि सान्या इस वक्त अपने करियर के शिखर पर हैं और अब वही स्टार पावर और चमक इस नई एक्शन-कॉमेडी की घोषणा में भी देखने को मिल रही है।

श्री श्री रविशंकर का किरदार निभाना कठिन काम : विक्रांत मैसी

मुंबई/भाषा

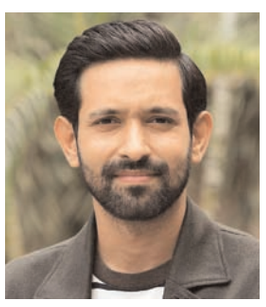

अभिनेता विक्रांत मैसी ने कहा कि वह आगामी फिल्म 'व्हाइट' में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की भूमिका निभाने को लेकर घबराए हुए हैं। फिल्म '12वीं फेल' में अभिनय कर चुके मैसी ने कहा कि यह विडंबना है कि शांति के लिए उनके (श्री श्री रविशंकर के) योगदान को लोग नहीं जानते और फिल्म उनके जीवन के उस अध्याय पर केंद्रित होगी। उन्होंने कहा, गुरुदेव, श्री श्री रविशंकर का किरदार निभाना एक कठिन काम है। मैं बहुत घबराया हुआ हूं और उनके जीवन का वह अध्याय बहुत ही अभूतपूर्व है, लेकिन यह दुखद भी है कि बहुत से लोग उनके योगदान के बारे में नहीं जानते, न केवल 'आर्ट आफ लिविंग' में बल्कि परोपकार में भी।

मैसी ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, शांति का उनका तरीका, उन्होंने दुनिया को व्यापक पैमाने पर कैसे प्रभावित किया, उनके जीवन के उस अध्याय को बताना, उनका किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण है, वह एक जीवित किंवदंती हैं। मैं बहुत घबराया हुआ हूं, लेकिन मैं कोशिश करूंगा। मुझे उम्मीद है कि मैं इसे निभा सकूंगा। मीडिया की खबरों के मुताबिक, इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद करेंगे और इसकी शूटिंग अगस्त में शुरू होगी। मैसी फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी के साथ उनकी आगामी होम प्रोडक्शन ओटीटी सीरीज में काम करने को लेकर भी उत्साहित हैं। जानकारी के अनुसार यह एक साइबर अपराध पर आधारित होगा और इसमें अरशद वारसी भी अभिनय करने वाले हैं।

मेरा ध्यान एक कलाकार के तौर पर खुद को निखारने पर है : मानुषी छिल्लर

मुंबई/भाषा

पूर्व मिस वर्ल्ड और बॉलीवुड अभिनेत्री मानुषी छिल्लर का कहना है कि बॉक्स ऑफिस पर सफलता से अधिक उनका ध्यान एक कलाकार के रूप में खुद को निखारने पर है। आगामी फिल्म मालिक में राजकुमार राव के साथ अभिनय करने वालीं छिल्लर, सम्राट पृथ्वीराज, द ग्रेट इंडियन फैमिली, बड़े मियां छोटे मियां और ऑपरेशन वेलेंटाइन जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने कहा, मेरा ध्यान बॉक्स ऑफिस पर सफलता से अधिक एक कलाकार के तौर पर खुद को निखारने पर है। जब दर्शक आपकी फिल्म पर एक खास तरह से प्रतिक्रिया देते हैं, तो इससे आपको एक विचार, एक अलग नजरिया मिलता है, और कभी-कभी यह समझने में मददगार हो सकता है कि क्या आपको कुछ अलग करना चाहिए या ऐसी कोशिश करनी चाहिए।

छिल्लर ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, इसलिए, इस तरह की प्रतिक्रिया मिलना बहुत अच्छा होता है। भक्षक से प्रसिद्धि पाने वाले फिल्म निर्माता पुलकित के निर्देशन में बनी एक्शन थ्रिलर फिल्म मालिक में पूर्व मिस वर्ल्ड एक छोटे शहर की महिला की भूमिका में हैं। पूर्व मिस वर्ल्ड ने कहा, क्योंकि लोग आपको एक खास अवतार में देख चुके होते हैं जिसमें आपको दिखाया जाता है, इसलिए उन्हें लग सकता है कि आप उसी तरह की भूमिकाएं निभाना चाहते हैं... अगर आप अलग-अलग तरह की भूमिकाएं करना चाहते हैं, तो उन्हें अपनाना और उनमें रुचि दिखाना बहुत अच्छा होता है। अभिनेत्री ने कहा कि 80 के दशक के इलाहाबाद की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में उन्हें अपने किरदार शालिनी की गहरी समझ होनी जरूरी थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा उन्हें इलाहाबाद के लोगों जैसे हाव-भाव और बोली को भी अपनाना पड़ा। मालिक में सौरभ शुक्ला, सौरभ सचदेवा, प्रसेनजीत चटर्जी और स्वानंद किरकिरे जैसे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। फिल्म आज 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | रविवार | 13-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की नव निर्वाचित टीम ने गांधीनगर में विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमार जी एवं आदित्य कुमार जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुनिश्री ने कहा कि पद पर आना एक बात है।

अणुव्रत समिति की नई कार्यकारिणी समिति ने शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी व आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल व मंत्री लाभेश कांसवा ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए सलाहकार समिति के 15 सदस्यों को शपथ दिलवाई। इसके अलावा उपाध्यक्ष बी वी चंद्रशेखर, एसएन मोदी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मांडोत, सहमंत्री सूरजमल पितलिया, सुरेश चावत, प्रचार प्रसार मंत्री कविता पोरवाल, संगठन मंत्री कन्हैयालाल सुराणा व निवर्तमान अध्यक्ष देवराज रायसोनी सहित 45 सदस्यों की कार्यसमिति का गठन करते हुए सभी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुनिश्री ने कहा कि नवगठित टीम को अणुव्रत का प्रचार करने हेतु पूरे जोश और सहिष्णुता के साथ कार्य करें। इस मौके पर विशेष आमंत्रित में गांधीनगर सभा के मंत्री विनोद छाजेड़, टी दासरहल्ली सभा के अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत आदि उपस्थित थे। मंत्री लाभेश कांसवा ने धन्यवाद दिया।

जागते रहने वाले को कोई ठग नहीं सकता : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में शनिवार को लोकेश मुनि जी ने चार प्रकार के प्रमाद में से एक आलस्य प्रमाद पर व्याख्या करते हुए कहा कि कोई भी काम पूरा न करते हुए बाद में कर देंगे ऐसा सोचने वाले आलस्य प्रमाद के शिकार होते हैं जो कि सही नहीं है। जीवन में सफल होने के लिए कभी भी आलस्य नहीं करना चाहिए। ज्ञानमुनि जी ने कहा कि प्रभु के गुण रोजाना याद करें। प्रभु वाणी के आधार हैं। प्रभु का भजन करने से हजारों कर्मों की निर्जरा होती है । प्रभु का भजन करने से आलस्य दूर होता है, जागृति आती है और जागते रहने वाले को कोई ठगता नहीं। हमें अपने स्वयं को जागृत करना चाहिए। दिन के 24 घंटे होते हैं। हर 48 मिनट में दो घड़ी होती है, दिन भर में दो घड़ी हमें धर्म में लगानी चाहिए बाकी की 58 घड़ी अपने कर्मों एवं कामों के लिए उपयोग करनी चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि खाने से ज्यादा खिलाने में ज्यादा आनंद आता है। पहले के लोगों में साधर्मिक व्यक्तियों को खाना खिलाने में खुशी होती थी। खाना खान से बदबू और खिलाने में खुशबू आती है इससे खिलाने वाले को बहुत ही खुशी होती है। खिलाने वाले को दुनिया याद करती है। उन्होंने कहा कि सांस का कोई भरोसा नहीं है, हर पल हमें भगवान को याद करना चाहिए। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचन्द कोठारी ने सभी का स्वागत किया। सभा का संचालन मनोहरलाल लुकड़ ने किया ।

विजयनगर की तेरापंथ महिलाओं ने मुनि पुलकित कुमार के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की नव निर्वाचित टीम ने गांधीनगर में विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमार जी एवं आदित्य कुमार जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुनिश्री ने कहा कि पद पर आना एक बात है। उससे पहले श्रावक बनकर संघ व संघपति के प्रति पूरी निष्ठा के साथ कार्य करना है। महिलाओं को घर एवं मंडल के कार्यों के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए मंडल के कार्य को आगे बढ़नहाना चाहिए। यह वर्ष भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष है, इस समय कार्य करना अपने आप में एक गौरव का विषय है। धर्म संघ से हमें बहुत कुछ मिलता है, एक अवसर होता है कि हम भी अपनी सेवाएं संघ को समर्पित करें। मुनिश्री ने सलाह दी कि पूरी टीम एकजुट होकर सबको साथ में लेकर कार्य करें। इस मौके पर नई मंडल की अध्यक्ष अध्यक्ष महिमा पटावरी, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया, उपाध्यक्ष सुनीता पटावरी, कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली, मंत्री सरिता छाजेड़, संगठन मंत्री शिल्पा भंसाली, तपस्विनी सुनीता पींचा, पूर्व अध्यक्ष प्रेम भंसाली आदि उपस्थित थीं।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मुनेश्वरा स्वामी देवस्थान यशवंतपुर द्वारा 39वें वार्षिकोत्सव जात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुणोत ने जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की तथा अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

रक्तदान शिविर में 56 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल और अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 56 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। शिविर की शुरुआत में अग्रसेन अस्पताल के उपाध्यक्ष राजेंद्र गोयल, सचिव रतन कन्दोई, आईवीएफ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बिपिन राम अग्रवाल, कर्नाटक प्रदेश के अध्यक्ष आरपी रविशंकर, यूथ विंग के अध्यक्ष बृजेश अग्रवाल, सहमंत्री ललित डाकलिया, हेमन्त कुमार, साईंराज, सुरेश जालान, सुशील रुंगटा आदि ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किवर। सभी रक्त दानदाताओं को डिजिटल थर्मामीटर और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

कर्म क्षय के लिए भगवान का नाम स्मरण ही सबसे सरल उपाय : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने शनिवार को अपने प्रवचन में कहा कि जिस प्रकार जल की बूंद कमल पत्ते का आश्रय पाकर मोती बनने का आश्रय ले लेती है, वही बूंद गर्म तवे पर पड़ती है, तो उसका अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है। उसी प्रकार जिसने प्रभु का आश्रय पा लिया, वह तर गया। जिसने भावपूर्वक प्रभु का आश्रय न लेकर संसारीजनों का आश्रय लिया, वह भव सागर में डूब गया। भावपूर्वक प्रभु का नाम लेने से पाप तो कटते ही हैं, साथ ही प्रभु भक्ति ही जीवन को संभालने का सही तरीका है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म में भक्ति का प्रयोजन अपने भीतर की भगवत्ता को प्रकट करने से है। अंतरंग की बुराइयों व विकारो के नष्ट होते ही अपने आप अंदर की भगवत्ता प्रकट हो जाती है। जीवन में कुछ अच्छा कर गुजरने की क्षमता भगवान की भाव पूर्वक भक्ति करने से ही मिलती है। उन्होंने कहा कि विडंबना है कि लोग दुख की घड़ी में भगवान का नाम लेते हैं। यदि सुख की घड़ी में प्रभु का नाम स्मरण करते रहे, तो जीवन में कभी दुख आएगा ही नहीं। कर्म काटने के लिए सबसे सीधा व सरल उपाय भगवान का नाम स्मरण ही है। भगवान के नाम, उच्चारण मात्र से भाव का उद्धार हो जाएगा। ङ्कआचार्यश्री ने कहा कि मानव जीवन में धर्म का बहुत महत्व है। धर्म ही मानव को मुक्ति देता है। अन्य सभी भौतिक सम्पदाएं संसार में ही रह जाती हैं। मृत्यु के बाद धर्म ही जीव के साथ जाता है। शरीर के साथ कोई नहीं जाता। केवल धर्म ही जीव के साथ जाता है। अपने किए पुण्य पाप के अनुसार जीव को अन्य योनी की प्राप्ति होती है, इसलिए मानव को धर्म का आचरण करना चाहिए। जीवनकाल में धर्म ही मनुष्य को त्राण दे सकता है। धर्म की व्याख्या करने के लिए इसके लौकिक और पारलौकिक स्वरूप को समझना आवश्यक है। लौकिक धर्म वह धर्म है, जिसे हम इस लोक में करते हैं और उसका फल भोगते हैं। पारलौकिक धर्म इस लोक से परे है और वहीं मानव जीवन की सच्ची कमाई है। इसी धर्म को प्राप्त करने के लिए मानव को प्रयास करना चाहिए।

तगुरु अमरसिंह ने कन्नमंगला में किया चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के कन्नमंगला एसबीसी दि नेस्ट अपार्टमेंट कमेटी के तत्वावधान में गुरुपूर्णिमा के दिन गुरु अमरसिंह राजपुरोहित का 12वाँ चातुर्मास प्रवेश हुआ। इस मौके पर विधिवत हवन आदि अनुष्ठान किए गए। गुरु ने प्रवचन देते हुए कहा कि चातुर्मास चार पवित्र महीनों की अवधि है। हिंदू धर्म में यह एक महत्वपूर्ण समय होता है। यह देवशयनी एकादशी से शुरु होकर प्रबोधिनी एकादशी पर समाप्त होता है। इस दौरान श्रद्धालु आध्यात्मिक गतिविधियों व्रत, दान और आत्म-चिंतन में लिप्त रहते हैं। चातुर्मास को आत्म-सुधार और आध्यात्मिक विकास के लिए एक शुभ समय माना जाता है। गुरुजी ने कहा कि इस दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं और भक्त उनकी पूजा में अधिक समय बिताते हैं। आयोजन में शामिल हुए बन्नूर के महेंद्र सिंह राजपुरोहित का गुरु ने सम्मान किया। इस अवसर पर नाथूसिंह सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

आध्यात्म जगत में झुकने वाला व्यक्ति बहादुर कहलाता है : साध्वी मयूरयशाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। । शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी मयूरयशा श्रीजी के सान्निध्य में धर्मप्रकरण ग्रंथ एवं शांत सुधारस ग्रंथ का वाचन प्रारंभ हुआ। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि जो हमसे बड़े होते हैं, हम उन्हें नमस्कार करते हैं, हमें नमस्कार विनय पूर्वक करना चाहिए जिससे उनके गुण हमें मिलें। नमस्कार अनेक तरह से किया जाता है, प्रेम से, विनय से, सम्मान से और बेमर्जी से। हम मित्र को प्रेम से नमस्कार करते हैं, माता-पिता वरिष्ठजनों को विनयपूर्वक नमस्कार करते हैं, गुरुजनों और गुणीजनों को सम्मान पूर्वक नमस्कार करते हैं और जिनके प्रति नफरत या तिरस्कार का भाव हो उन्हें किया गया नमस्कार बेमर्जी पूर्वक होता है। साध्वीश्री ने कहा कि जो सरल है वही झुकता है, अकड़ रखने वाला किसी के सामने नहीं झुकता है। संसार के क्षेत्र में जो झुकता है वह कमजोर कहलाता है जबकि आध्यात्म जगत में झुकने वाला बहादुर कहलाता है। नमस्कार केवल ज्ञान तक पहुंचा सकता है। आध्यात्म जगत के हिसाब से शक्ति होते हुए भी सहन करने वाला, स्वीकार करने वाला, बहादुर होता है।

राजराजेश्वरीनगर की तेरापंथी महिलाओं ने आयोजित किए अनेक कार्यक्रम

बेंगलूरु//दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष पर तीन दिवसीय अखंड जाप का आयोजन किया गया जिसमें मंडल की सदस्याओं ने जागरूकता से जप किया तथा रात्रिकालीन कार्यक्रम में एक शाम भिक्षु के नाम भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। चातुर्मासिक पक्खी का सामूहिक प्रतिक्रमण, तेरापंथ स्थापना दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मंडल की सदस्याओं द्वारा संगीतमय रोचक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई, जिसमें तुलसी संगीत सुधा एवं तुलसी स्वर संगम की सदस्याओं ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी।

युवा शक्ति भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाएगी : डॉ. एल. मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित 16वें रोजगार मेला कार्यक्रमों के दौरान 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) के डॉ. अंबेडकर आरंगम में आयोजित रोजगार मेले में भाग लिया। उन्होंने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों और संगठनों में नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए और दक्षिण रेलवे, आईसीएफ, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, भारतीय डाक और वित्तीय सेवाओं सहित विभिन्न विभागों में चयनित 251 युवाओं को अपनी शुभकामनाएँ दीं।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ. मुरुगन ने कहा कि आज की सशक्त युवा शक्ति भारत के भविष्य को आकार देगी और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वे देश को विश्व के अग्रणी राष्ट्र के रूप में परिवर्तित करेंगे। मंत्री ने आज केंद्र सरकार में शामिल होने वाले युवाओं से आग्रह किया कि वे इसे केवल नौकरी पाने के रूप में न देखें, बल्कि इसे 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के मिशन में योगदान देने के एक अवसर के रूप में देखें। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत वर्तमान में सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट विकास कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के माध्यम से देश भर में बुनियादी ढाँचे, सड़क, रेलवे और हवाई परिवहन में सुधार हुआ है और इन्हें आगे चलकर विश्वस्तरीय मानकों तक विकसित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उत्तर में कश्मीर में चिनाब रेलवे ब्रिज से लेकर दक्षिण में पंबन वर्टिकल लिफ्ट रेलवे ब्रिज तक, विश्वस्तरीय रेल सुविधाओं में सुधार किया गया है। मंत्री महोदय ने यह भी कहा कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन लाइन के तेज़ी से पूरा होने के साथ, बुलेट ट्रेन यात्रा जल्द ही भारत में एक वास्तविकता बन जाएगी। इस कार्यक्रम में आईसीएफ के महाप्रबंधक यू. सुब्बा राव, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी आर. मोहन राजा, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एन. सीता राम प्रसाद और अन्य लोग उपस्थित थे।

पीएमके संस्थापक डॉ. रामदास ने सोशल मीडिया अकाउंट हैक होने का दावा किया

चेन्नई। पीएमके संस्थापक डॉ. एस. रामदास ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट हैक किये जाने का दावा करते हुए पुलिस से इन्हें बहाल करने को लेकर मदद मांगी। पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि डॉ. रामदास ने पुलिस को दी एक शिकायत में आरोप लगाया कि 'एक्स' और फेसबुक पर उनके आधिकारिक अकाउंट हैक कर पासवर्ड बदल दिए गए हैं। वन्नियार बहुल पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के नेतृत्व को लेकर बेटे डॉ. अंबुमणि के साथ संबंधों में आई खटास के बाद मीडिया खातों में छेड़छाड़ रामदास का नया आरोप है।

आत्मगुणों का विनाश और सांसारिक प्रवृत्तियों का विस्तार के लिए हो हमारा पुरुषार्थ : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने शनिवार को अपने प्रवचन में ज्ञानसार ग्रन्थ का वांचन करते हुए कहा कि ग्रंथ में कहा गया है कि आत्मा परमात्मा पद की सर्वोच्च स्थिति को प्राप्त करे, इसी एकमात्र लक्ष्य से ज्ञानसार ग्रंथ की रचना की है। हमने अपनी जीवन पद्धति द्वारा संसार का भव भ्रमण ही बढ़ाया है। हमने अपनी ही अविचारी प्रवृत्तियां द्वारा कषायों को निमंत्रित किया है। आत्मगुणों का विनाश और सांसारिक प्रवृत्तियों का विस्तार ही हमारी पुरुषार्थ का केंद्र बना है। जिन आत्मगुणों के हम स्वामी हैं जिनका विकास करके हम अपनी संसार यात्रा को विराम दे सकते हैं। साध्वीश्री ने कहा कि हमारी यह अनादि काल से चली आ रही संसार यात्रा समाप्त हो, हमें इसी बात को लक्ष्य में रखना चाहिए। इसके साथ ही साध्वीवर्या द्वारा समरादित्य चारित्र का वांचन भी प्रारम्भ किया। इससे पूर्व गुरुवर्याश्रीजी को ज्ञानसार ग्रन्थ धर्मीदेवी छगनलाल भन्साली परिवार द्वारा और समरादित्य चरित्र पन्नालाल गौतमचंद कवाड़ परिवार द्वारा प्रदान किया। इस मौके पर श्रुतज्ञान, मति ज्ञान, मनपर्यव ज्ञान, अवधि ज्ञान और केवल ज्ञान की पूजा की गई।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बिलावास गौशाला सेवा समिति का सदस्यों ने राजस्थान स्थित सोजत के विधायक शोभा एवं राजेश से मुलाकात कर उन्हें नवम्बर में होने वाली भगवान श्रीकृष्ण मंदिर की प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रित किया। विधायक ने प्रतिष्ठा महोत्सव में आने की स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर पुकाराम काग, अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, सचिव नरेन्द्र आच्छा, छैलाराम काग, लक्ष्मण आगलेचा, गौतमचंद संचेती, मांगीलाल चोयल, खिंवाराम आगलेचा, नरपत राजपुरोहित, घनश्याम सोनी, देवाराम चोयल, अमराराम चोयल आदि उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

केजीएफ तेरापंथ भवन में पंचरंगी तप का परचम फहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ। स्थानीय तेरापंथ सभा भवन में साध्वी पावनप्रभाजी की निश्रा में पंचरंगी तप अनुष्ठान का आयोजन किया गया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने सभी तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए कहा कि चातुर्मास की सफलता का एक सूत्र है तपस्या का होना। तपस्या से कार्य के साथ साथ मन व भाव दोनों की शुद्धि होती है तथा आत्मा भी प्रकंपित होती है। तपस्या करना आसान काम नहीं है लेकिन जिसने अपनी शक्ति का उपयोग करना सिख लिया उसके लिए तपस्या आसान हो जाती है। साध्वीश्री ने सभी तपस्वियों को तप में आगे बढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि आप सबने तप का बीज बोया है, अब उस बीज को वटवृक्ष बनाना है व उस वृक्ष पर तपस्या के फूल भी खिलाना है। साध्वी उन्नतयशाजी ने क़हा कि स्वयः कष्ट सहने की कला का नाम तप है। जीवन की सबसे बड़ी कला व दीर्घ आयु होने का राज भी तप है। साध्वीश्री पावनप्रभाजी, आत्मयशाजी, उन्नतयशाजी, रम्यप्रभाजी ने सभी 35 तपस्वियों के तप की अनुमोदना की। सभा के अध्यक्ष सुदर्शन बांठिया ने सभी का स्वागत किया। महिला मंडल की अध्यक्ष सरिताबाई बांठिया व युवक परिषद के कमलेश हिंगड़ ने सभी को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन साध्वी रम्यप्रभाजी ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com